शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 258 | गुवाहाटी | मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब हिसाब-किताब के लिए वक्त नहीं... पेज 2
जुरिया, बरपेटा और ग्वालपाड़ा में कांग्रेस का टिकट बिक्री केंद्र : पीयूष हजारिका पेज 3
मस्जिद हटाकर बनाया जाए निषादराज का किला हम किसी धर्म के विरोधी... पेज 5
होल्गर रून ने कार्लोस अल्कारेज को हराकर जीता बार्सिलोना ओपन का खिताब पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

आदमी अपने जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान होता है।
- आचार्य चाणक्य

पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस का निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे और काफी लंबे समय से बीमार थे। एक रिपोर्ट के अनुसार वेटिकन कैमरलेंगो के कार्डिनल केविन फेरेल ने उनके निधन की घोषणा की है। कार्डिनल केविन फेरल, जो वेटिकन के कैमरेलेंगो हैं, ने बताया कि पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने घोषणा की कि आज सुबह 7:35 बजे, रोम के बिशप फ्रांसिस परमात्मा के घर लौट गए। उनका सम्पूर्ण जीवन प्रभु और उनके चर्च की सेवा में समर्पित रहा। पोप फ्रांसिस का निधन वेटिकन में हुआ, जहां वे पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उनकी श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था, और वह लगातार चिकित्सकीय देखरेख में थे। पोप फ्रांसिस का जीवन हमेशा ही विश्वभर में शांति, समानता और न्याय की दिशा में उनके प्रयासों के लिए याद रखा जाएगा। रविवार को पोप फ्रांसिस ने अपने ईस्टर रविवार के संबोधन में विचारों की स्वतंत्रता और सहनशीलता की अपील की थी। बेसिलिका की बालकनी से लगभग 35,000 लोगों को ईस्टर की शुभकामनाएं देने के बाद, फ्रांसिस ने अपनी पारंपरिक *उरबी एट ऑर्बी* (नगर और संसार के लिए) आशीर्वाद को एक सहयोगी को पढ़ने के लिए सौंप दिया।उन्होंने अपने भाषण में कहा कि धर्म की स्वतंत्रता, विचारों की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और दूसरों के विचारों का सम्मान किए बिना शांति संभव नहीं है। इसके साथ ही, उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया उन्हें आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेगी : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन पर दुख जताया और कहा कि पोप फ्रांसिस को दुनिया भर के लाखों लोग हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने पोप फ्रांसिस के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि परम पूज्य पोप फ्रांसिस के -शेष पृष्ठ दो पर

असम समेत पूर्वोत्तर के सभी मुख्यमंत्रियों ने जताया शोक

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों ने सोमवार को पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पोप का कार्यकाल शांति के लिए अथक प्रयासों, कमजोर लोगों की सशक्त आवाज और चर्च में महत्वपूर्ण सुधारों से परिभाषित होता है। शर्मा ने एक शोक संदेश में कहा कि उन्होंने अपनी विनम्रता और अंतिम सांस तक काम करने के प्रति समर्पण से कैथोलिक चर्च से परे लाखों लोगों को प्रेरित किया। असम के लोगों की ओर से मैं पूरे कैथोलिक समुदाय के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. सांग्मा ने कहा कि रोमन कैथोलिक चर्च के प्रमुख के रूप में पोप ने उदाहरण प्रस्तुत किया। सांग्मा ने एक्स पर लिखा कि वे वास्तव में लोगों के पोप थे और उनके जीवन में विनम्रता, प्रेम और करुणा समाहित थी, जिसने अनगिनत आत्माओं को प्रेरित किया है। उनकी पोपशिप को याद किया जाएगा और संजोया जाएगा क्योंकि उन्होंने दुनिया भर में शांति की वकालत की। उन्होंने उस ऐतिहासिक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बकरी चोरी के आरोप में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

डिब्रूगढ़। असम के डिब्रूगढ़ जिले के बोकुल चाय बागान में सोमवार को *बकरी चोरी* को लेकर स्थानीय लोगों के हमले में एक व्यक्ति की भीड़ ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने बताया कि दोनों लोग सुबह-सुबह दोपहिया वाहन पर चाय बागान के हातिगढ़ बोकपारा डिवीजन में आए थे और बाद में स्थानीय लोगों ने उन्हें कथित तौर -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका का यमन पर हमला, 12 की मौत, 30 घायल

सना (हि.स.)। यमन की राजधानी सना पर अमेरिका ने बड़ा हवाई हमला किया है। ईरान समर्थित हूती विद्रोही समूह के अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज चैनल ने इस हमले के फुटेज जारी किए हैं। समूह ने दावा किया है कि अमेरिकी हमले में कम से कम 12 लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। वेब पोर्टल माइक्रोसॉफ्ट नेटवर्क की खबर के अनुसार, अमेरिका ने ताजा हमले में ईरान -शेष पृष्ठ दो पर

पंचायत चुनाव : सीएम ने प्रगति का मुद्दा उठाया तो कांग्रेस ने कृषि संकट पर साधा निशाना

गुवाहाटी। पंचायत चुनाव नजदीक आने के साथ ही असम में राजनीतिक तापमान बढ़ गया है तथा सत्ताधारी और विपक्षी दोनों खेमों के शीर्ष नेता मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रचार अभियान में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को धेमाजी और डिगबोई में भाजपा नीत राजग उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया, जबकि असम प्रदेश कांग्रेस समिति (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने विश्वनाथ में मतदाताओं को संबोधित किया, अपनी पार्टी के वादों को गिनाया और सत्तारूढ़ सरकार पर तीखे प्रहार किए। डिगबोई में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने भाजपा को प्रगति और स्थिरता की पार्टी के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि आज असम शांति और विकास के युग का गवाह बन रहा है। हम एक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं ताकि हमारे युवा दूसरे राज्यों में जाने के बजाय अपने घर पर ही रोजगार पा सकें। शर्मा ने कई सरकारी पहलों को भी सूचीबद्ध किया, जिनमें ओरुनोदोई, सरकारी कॉलेजों में मुफ्त प्रवेश, महिला उद्यमिता और निजुत मोइना शामिल हैं, और उन्हें परिवर्तनकारी कदम बताया। कांग्रेस के पिछले कार्यकाल की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि उनका सिर्फ एक ही एजेंडा था- लुंगी, धोती, मच्छरदानी और खंभे बांटना। क्या इस तरह के उपहार देना शासन के योग्य है? इस बीच, एपीसीसी प्रमुख बोरा ने मतदाताओं को शर्मा की कांग्रेस में राजनीतिक जड़ों की याद दिलाई और उन पर पार्टी के मूल्यों को त्यागने का आरोप लगाया। बोराह ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस ने ही उन्हें राजनीति के बारे में सबकुछ सिखाया। उन्होंने जालुकबारी से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की तथा तीन बार मंत्री पद की शपथ ली। और आज, वह उसी पार्टी को बदनाम कर रहे हैं जिसने उनके करियर को आकार दिया। अपने हमले को आगे बढ़ाते हुए बोरा ने भाजपा पर विवादास्पद कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें कमल के चिह्न की जगह उस बंदूक को लगाने पर विचार करना चाहिए जिसका इस्तेमाल नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या में किया था। उन्होंने कांग्रेस के सत्ता में आने पर किसानों के लिए ऋण माफी और सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर देने का भी वादा किया। बोराह ने कहा कि तेलंगाना और कर्नाटक को देखिए- कांग्रेस शासित राज्य जहां गरीब और -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने न्यायपालिका को कमजोर करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा

गुवाहाटी। जब भाजपा अपने सांसद निशिकांत दुबे की सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर निशाना साधने वाली टिप्पणी से खुद को दूर करने की कोशिश कर रही थी, तब असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी बार-बार न्यायपालिका को कमजोर कर रही है, जब भी फैसले उसके राजनीतिक रुख के अनुरूप नहीं होते हैं। न्यायिक निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते समय निरंतरता और सत्यनिष्ठा बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए असम के मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि न्यायपालिका का सम्मान उसके निर्णयों की अनुकूलता पर निर्भर नहीं होना चाहिए। चुनिंदा अनुमोदन से जनता का विश्वास और हमारे लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांत नष्ट हो जाते हैं। शर्मा ने कई ऐसे पुराने उदाहरणों का हवाला दिया, जहां उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने न्यायाधीशों और न्यायिक फैसलों को बदनाम करने की कोशिश की है। -शेष पृष्ठ दो पर

नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक जनोन्मुखी बनाना है : शाह

रायपुर (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को सरल, तेज और अधिक जनोन्मुखी बनाना है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार से समन्वय और तत्परता की अपेक्षा जताई। शाह सोमवार को नई दिल्ली स्थित नॉर्थ ब्लॉक में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को लेकर राज्य की प्रशासनिक और तकनीकी तैयारियों की समीक्षा और कर रहे थे। केंद्रीय गृहमंत्री शाह की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में हुई इस बैठक में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन और -शेष पृष्ठ दो पर

दुबे मामले पर एससी की टिप्पणी

राष्ट्रपति को कैसे आदेश दें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट पिछले कई दिनों से चर्चा में है। राष्ट्रपति और गवर्नर को दिए आदेश के बाद कई भाजपा नेताओं ने सर्वोच्च न्यायालय को निशाने पर लिया, जिसे लेकर पक्ष और विपक्ष में सियासी संग्राम छिड़ गया। वहीं अब सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की है। वक्फ अधिनियम के विरोध में पश्चिम बंगाल की हिंसा पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के अगले मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि न्यायपालिका पर कार्यपालिका के काम में हस्तक्षेप का आरोप लग रहा है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार मशहूर अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में अधिवक्ता -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी से मिले अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, ट्रेड-टैरिफ पर की बात

नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा सोमवार को शुरू हुई जब वे अपने परिवार के साथ पालम हवाई अड्डे पर पहुंचे। यह जेडी वेंस की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है और यह 21 से 24 अप्रैल तक चार दिनों की होगी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास 7 लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच वार्ता होगी। सोमवार शाम 6:30 बजे पीएम मोदी अपने 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर वेंस और उनके परिवार का स्वागत करेंगे, जिसके बाद आधिकारिक वार्ता होगी। बैठक का फोकस प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के तरीकों पर होगा। अमेरिकी -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमला, सुरक्षा कैमरे ले गए असामाजिक तत्व

ओटावा। कनाडा एक गुरुद्वारे में तोड़फोड़ के बाद सरे स्थित एक मंदिर को असामाजिक तत्वों ने विरूपित कर दिया और इसके प्रवेश द्वार तथा स्तंभों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिख दिए। मंदिर प्रबंधन ने एक बयान में कहा कि यह घटना 19 अप्रैल को सरे स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में हुई। बयान में कहा गया कि हम गहरे दुख के साथ समुदाय को 19 अप्रैल, 2025 को तड़के लगभग 3:00 बजे हुई एक परेशान करने -शेष पृष्ठ दो पर

मुर्शिदाबाद हिंसा : हत्या मामले में चार की गिरफ्तारी से राज्य सरकार का *बाहरी तत्व* का दावा धराशायी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा के दौरान एक ही परिवार के दो लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने जिन चार लोगों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान ने पश्चिम बंगाल सरकार के *बाहरी तत्व* वाले दावे को खारिज कर दिया है। हत्या के इस मामले में गिरफ्तार किए गए चारों आरोपित न केवल मुर्शिदाबाद जिले के निवासी हैं, बल्कि वे उस गांव में नियमित रूप से आया-जाया करते थे, जहां 12 अप्रैल को हरगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन दास की हत्या हुई थी। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि गिरफ्तार किए गए तीन आरोपित आसपास के गांवों के रहने वाले हैं। पहले गिरफ्तार किए गए दो आरोपित कालू नदाब और दिलदार नदाब आपस में चचेरे भाई हैं और मृतक परिवार -शेष पृष्ठ दो पर

2034 में एक साथ होंगे चुनाव!

वन नेशन वन इलेक्शन पर सरकार ने तैयार किया टास्क फोर्स

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक देश एक चुनाव के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार द्वारा गठित उच्चस्तरीय टास्क फोर्स की सिफारिशों के आधार पर अब 2034 में लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। इस दिशा में 2029 से पहले संसद में विधेयक पारित कर जरूरी संवैधानिक और कानूनी संशोधन किए जाएंगे। सरकार ने एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है, जिसमें बताया गया है कि कैसे 2029 से 2034 के बीच चरणबद्ध तरीके से राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल समायोजित कर 2034 में एक साथ चुनाव की स्थिति बनाई जाएगी। -शेष पृष्ठ दो पर

दालों की कीमतों में तेजी से गिरावट, किसान परेशान

नई दिल्ली। दलहन में अगले चार वर्षों में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर लेने के संकल्प के बीच बड़ी मात्रा में आयात को प्राथमिकता देने से दालों की कीमतों में तेजी से गिरावट आ रही है। अरहर दाल की कीमत तो लगभग चार वर्ष पहले की स्थिति में आ गई है। इससे आम लोगों को राहत तो मिल रही है, लेकिन किसानों को अपेक्षित मुनाफा नहीं मिल रहा है। कुछ वर्षों से दालों के मूल्यों में निरंतर वृद्धि को देखते हुए किसान दलहन की खेती की ओर मुखातिब होने लगे हैं, लेकिन आयात नीति से उनका उत्साह ठंडा हो सकता है। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए दाल का बेहिसाब आयात किया जा रहा है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चालू वित्त वर्ष में अभी तक 20 लाख टन से अधिक मटर दाल का आयात हो चुका है। खेतों से पैदावार के आने से पहले इतनी मात्रा में आयात से दालों की कीमतें धराशायी होने लगी हैं। इससे उपभोक्ताओं को तो राहत मिल रही है, किंतु किसानों और कारोबारियों के लिए यह अच्छा ट्रेंड नहीं है। केंद्र सरकार प्रत्येक वर्ष पांच दलहन फसलों के लिए एमएसपी जारी करती है। किसानों को नुकसान से बचाने का उद्देश्य होता है, लेकिन उपभोक्ताओं में बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने दो-तरफा प्रयास शुरू किया। पहला घरेलू उत्पादन बढ़ाकर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और दूसरा तात्कालिक तौर पर दूसरे देशों से आयात कर बाजार को संतुलित करना। इस बीच दाल के बफर स्टाक को भी समृद्ध करना है, क्योंकि पिछले पांच -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका का सैन्य प्लान लीक

रक्षा मंत्री ने पत्नी और भाई को दिए गुप्त दस्तावेज

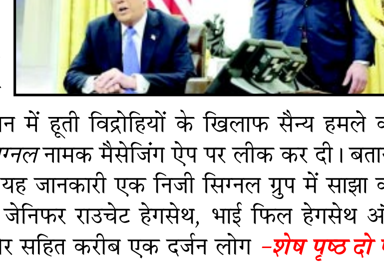

वाशिंगटन। अमेरिका की हूती विद्रोहियों पर हमले की योजना एक बार फिर लीक हो गई है और इस बार उंगलियां सीधे ट्रंप कैबिनेट की ओर उठ रही हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के रक्षा मंत्री, पीट हेगसेथ पर यह आरोप है कि उन्होंने यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य हमले की संवेदनशील जानकारी *सिग्नल* नामक मैसेजिंग ऐप पर लीक कर दी। बताया जा रहा है कि हेगसेथ ने यह जानकारी एक निजी सिग्नल ग्रुप में साझा की थी, जिसमें उनकी पत्नी जेनिफर राउचेट हेगसेथ, भाई फिल हेगसेथ और निजी वकील टिम पार्लटोर सहित करीब एक दर्जन लोग -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पीएम मोदी ने अधिकारियों को दी नसीहत, कहा-

अब हिसाब-किताब के लिए वक्त नहीं...

नई दिल्ली। देश के प्रशासनिक अधिकारियों को विकसित भारत के शिल्पकार बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे नागरिक देवो भव के मंत्र के साथ गरीबों की तकलीफें दूर करने और उनके प्रति संवेदनशील बनने की नसीहत दी। सोमवार को विज्ञान भवन में सिविल सर्विस डे समारोह को संबोधित करते हुए पीएम ने उन्हें यह भी याद दिलाया कि नीति निर्धारण और प्रशासनिक तंत्र का कामकाज पुराने और कालवाह्य हो चुके तौर-तरीकों से नहीं चल सकता। उनकी सरकार उन नीतियों पर काम कर रही है जो भारत के अगले एक हजार साल के भावी पथ की रूपरेखा तय करेंगे। पीएम मोदी ने अफसरों से यह भी कहा कि अब केवल पुरानी सरकारों से तुलना करने से काम नहीं चलेगा। आपके जिले के अफसर ने पहले क्या किया था, यह महत्वपूर्ण नहीं है। आपको अपनी कसौटी खुद बनानी होगी। हिसाब-किताब का वक्त समाप्त हो चुका है। अब यह देखना है कि कितनी दूरी (2047 तक विकसित भारत का संकल्प साकार करने के लिए) बाकी है, उसे पाटने की नीति और रोडमैप क्या है। प्रशासनिक तंत्र की पहले की भूमिका का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि एक समय वे रेगुलेटर होते थे जो उद्योगीकरण और उद्यमिता की गति निर्धारित करने का काम करते थे, लेकिन देश अब इस मानसिकता से बाहर आ चुका है। अब उन पर ऐसा माहौल बनाने की जिम्मेदारी है जो नागरिकों को शक्तिशाली बनाए और उन्हें बाधाओं को पार करने की ताकत दे। अफसरों को महज नियम-कायदों का पालन सुनिश्चित करने की भूमिका से बाहर निकलकर विकास और प्रगति का अवसर उपलब्ध कराने वाला बनना होगा। लगभग 40 मिनट के अपने संबोधन में पीएम अफसरों को ज्यादातर नसीहत देने वाले अंदाज में दिखे। उन्होंने आकांक्षी भारत समाज की आवश्यकताओं को रेखांकित किया, युवाओं, किसानों और महिलाओं के सपनों की बात रखी और यह बताया कि उनकी सरकार ने 11 वर्षों में किस तरह योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया है। सामूहिक प्रयास और प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए पीएम ने हर किसी से हर दिन, हर क्षण विकसित भारत के साझा स्वप्न को साकार करने के लिए अनथक मेहनत करने की अपील की। पीएम के अनुसार असाधारण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए असाधारण रफ्तार से काम करना होगा। दुनिया में तेजी से हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए पीएम ने कहा कि परिवारों के भीतर भी हम पाते हैं कि दस साल का बच्चा बड़ों को यह अहसास करा देता है कि वे पुराने पड़ चुके हैं। परिवर्तन की इस तेज रफ्तार का मुकाबला करते हुए लक्ष्य तक पहुंचना तभी संभव है जब हर क्षेत्र में तकनीक के उन्नयन के साथ पूरी प्रतिबद्धता से काम हो। पीएम ने खास तौर पर ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, खेलों में प्रगति और अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रगति को भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के रूप में गिना। समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित प्रशासनिक अफसरों पर बड़ी जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए पीएम ने उनसे किसी भी तरह की देरी से बचने का आग्रह किया। इस साल सिविल सर्विस डे समारोह की थीम होलिस्टिक डेवलपमेंट आफ इंडिया थी। मोदी ने इसे एक प्रतिबद्धता और लोगों से किया गया वादा बताया। उनके अनुसार होलिस्टिक डेवलपमेंट की दृष्टि में हर घर में स्वच्छ जल, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हर उद्यमी को वित्तीय पहुंच और हर गांव में डिजिटल इकोनमी शामिल है।

सरकार की योजना का लाभ उठाएं कैंसर पीड़ित : मीणा

रेवाड़ी (हिंस)। हरियाणा सरकार की ओर से स्टेज तीन व चार के सभी आयु वर्ग के कैंसर पीड़ितों को मासिक पेंशन उपलब्ध करवाई जा रही है। यह सहायता उन कैंसर मरीजों को दी जा रही है जिनके परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपए तक है। इससे प्रदेश के कैंसर पीड़ितों को मदद मिलेगी। सरकार के निर्णय के अनुसार यदि कैंसर पीड़ित मरीज किसी अन्य प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन या वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना का लाभ ले रहा है तो उसे भी अतिरिक्त रूप से मासिक पेंशन मिलेगी। सोमवार को उपायुक्त अभिषेक मीणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पेंशन सीधे बैंक खातों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था (पीएफएमएस) के जरिये स्थानांतरित की जाएगी। इस योजना के लाभ के लिए परिवार पहचान पत्र में दर्शाई गई वार्षिक आय के तथ्यों से मिलान किया जाएगा। सिविल सर्जन कार्यालय की कमेटी द्वारा सत्यापित दस्तावेजों को सरल केंद्र के माध्यम से अपलोड करना होगा। आवेदक को राशन कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, बैंक पासबुक, टेलीफोन, पानी, बिजली या अन्य उपयोगिता वाले बिल, जिसमें घर का पता अंकित हो या भू-रिकॉर्ड के दस्तावेज, परिवार पहचान पत्र को सरल केंद्र में साथ लाना होगा। आशा वर्कर, एएनएम मरीज के जीवित होने के प्रमाण पत्र को सत्यापित करेगी जिसे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रति हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद कैंसर पीड़ित मरीज की पेंशन शुरू हो जाएगी। उन्होंने जिला के कैंसर की स्टेज तीन व चार से पीड़ित मरीजों से सरकार की इस योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना सेवा के अधिकार के दायरे में शामिल

पानीपत (हिंस)। हरियाणा सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से चलाई जा रही *मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता* योजना को सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के दायरे में शामिल किया है। साथ ही, इसके तहत प्रदान किए जाने लाभों के लिए 45 दिन की समय-सीमा भी निर्धारित की गई है। डीसी डाक्टर विरेन्द्र दहिया ने सोमवार को बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग ने गर्भावस्था में मजदूरी के दौरान नुकसान की भरपाई व स्तनपान कराने वाली महिलाओं में पोषण सुनिश्चित करने के लिए *मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता* योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत दूसरे बच्चे के रूप में लड़के को जन्म देने वाली अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाएं इस योजना का लाभ उठा सकती हैं।

मप्र : चार अलग-अलग सड़क हादसों में 20 की मौत, सीएम ने जताया दुख

भोपाल (हि.स.)। रविवार देर रात से लेकर सोमवार शाम तक हुए चार अलग-अलग सड़क हादसों में मध्य प्रदेश के 20 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश के रायसेन, टीकमगढ़, शहडोल और चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) में हुई इस सड़क दुर्घटनाओं में प्रदेश के नागरिकों के असामयिक निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से सभी मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए एवं गंभीर घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया *एक्स* पर कहा कि वे दुख की इस घड़ी में शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि इन सड़क दुर्घटनाओं में दिवंगत नागरिकों की आत्मा की शांति के लिए बाबा महाकाल से प्रार्थना है। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना है। संबंधित जिलों के प्रशासनिक अमले को प्रभावित परिवारों की सहायता के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा क्षेत्र में रविवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई, जिससे कार में सवार सात में से चार नागरिकों का निधन हो गया, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दुर्घटना में मृत सभी लोग उज्जैन के निवासी थे, जो धार्मिकि यात्रा के लिए सांवलिया सेठ मंदिर जा रहे थे। इसी तरह टीकमगढ़ जिले में रविवार को एक एसयूवी और दो मोटरसाइकिल की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सदस्य भी शामिल हैं। इस दुर्घटना में बाइक सवार एक अन्य युवक की भी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। तीसरी दुर्घटना रायसेन जिले में भोपाल-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह हुई, जिसमें छह लोगों की जान चली गई। यहां एक टेम्पो ट्रैक्स (तूफान) पहले पुलिया से टकराई, इसके बाद 10 फीट गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में दूल्हा-दुल्हन समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए। ये सभी शादी समारोह से इंदौर लौट रहे थे। चौथी घटना शहडोल जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र अंतर्गत करौंदिया गड़ा रोड पर सोमवार शाम को करीब चार बजे हुई।

थाना प्रभारी की गिरफ्तारी के विरोध में हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन

पलवल (हिंस)। जिले में शहर थाना प्रभारी राधेश्याम की गिरफ्तारी के विरोध में हिंदू संगठनों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। इंस्पेक्टर पर एक आरोपी को प्रताड़ित करने का आरोप है। हिंदू संगठनों ने ताऊ देवीलाल पार्क में एकत्रित होकर इंस्पेक्टर की तत्काल रिहाई और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग की। संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर इंस्पेक्टर को रिहा नहीं किया गया, तो नेशनल हाईवे-19 पर आगरा चौक पर चक्का जाम किया जाएगा। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने मौके पर पहुंचकर आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जा रही है। गौ रक्षकों ने मंत्री को सौंपे ज्ञापन में इंस्पेक्टर की रिहाई के साथ एसपी चंद्र मोहन सिंह का तबादला करने की मांग भी रखी। गौ रक्षा दल के बिट्टू बजरंगी ने कहा कि इंस्पेक्टर राधेश्याम की गिरफ्तारी गलत है।

पृष्ठ एक का शेष

पोप फ्रांसिस का ...

चिंताजनक एंटी-सेमिटिजम (यहूदी विरोधी भावना) की आलोचना की और गाजा में स्थिति को *नाटकीय और दुखद* बताया। यह संदेश दुनिया भर में धार्मिक और विचारों की स्वतंत्रता, सहिष्णुता और सम्मान की आवश्यकता पर जोर देता है, और यह एक वैश्विक शांति का आह्वान था। पोप फ्रांसिस ने 2013 में पदभार संभाला था और वह पहले ऐसे पोप थे जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान चर्च को और अधिक आधुनिक, समावेशी और अधिक मानवाधिकारों के पक्षधर बनाने का प्रयास किया। उन्होंने गरीबों और निर्धनों के लिए काम किया और चर्च के भीतर विभिन्न सुधारों का समर्थन किया। उनका योगदान चर्च के इतिहास में महत्वपूर्ण रहेगा, और उनके कार्यों को भविष्य में भी याद किया जाएगा।

दुनिया उन्हें आध्यात्मिक...

निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। पोप फ्रांसिस को दुनिया भर के लाखों लोग हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई। उन्होंने आगे लिखा कि मैं उनके साथ अपनी मुलाकातों को याद करता हूं और समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ। भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा संजोया जाएगा। उनकी आत्मा को ईश्वर की गोद में शांति मिले। उल्लेखनीय है कि पोप फ्रांसिस का सोमवार को वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे।

असम समेत पूर्वोत्तर ...

क्षण को याद किया जब उन्होंने दिसंबर 2022 में वेटिकन में पोप से मुलाकात की थी, जहां उन्होंने उनसे राज्य, राष्ट्र और इसके लोगों के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया था। सांग्मा ने आगे लिखा कि आज हमने चर्च के चरवाहे, एक वैश्विक नेता और लोगों के पोप को खो दिया है। लेकिन उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उनकी आत्मा को शांति मिले। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि विनम्रता, करुणा और नैतिक नेतृत्व के वैश्विक प्रतीक के रूप में मानवता के लिए पोप के योगदान को गहरी श्रद्धा के साथ याद किया जाएगा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने एक्स पर लिखा कि भारी मन से मैं परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त करने वाले विश्व के साथ हूं। शांति के एक चरवाहे, उनकी विनम्रता, ज्ञान और करुणा ने सभी धर्मों को पार कर दिया। उनकी स्थायी विरासत मानवता को प्रेरित करती रहे और उनकी आत्मा को शांति मिले।

पंचायत चुनाव : सीएम ...

किसान कहीं बेहतर स्थिति में हैं। हम असम में भी ऐसा ही करेंगे। उन्होंने मतदाताओं को यह भी आश्वासन दिया कि कांग्रेस के सभी वादे, जिनमें राहुल गांधी द्वारा अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान किए गए वादे भी शामिल हैं, असम में ईमानदारी से लागू किए जाएंगे। दोनों पक्षों द्वारा सभी प्रयास किए जाने के कारण, प्रचार अभियान तेजी से विकास के दावों और वैचारिक प्रतिवादों के बीच जोरदार लड़ाई में तब्दील होता जा रहा है, क्योंकि ग्रामीण मतदाता 2 और 7 मई को मतदान के लिए तैयार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने ...

उन्होंने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को याद करते हुए कहा कि यह राजनीति से प्रेरित कदम था, जिसे बिना किसी ठोस सबूत के शुरू किया गया। उन्होंने अयोध्या भूमि विवाद मामले में पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के फैसले के बाद उनके खिलाफ हुई प्रतिक्रिया का हवाला दिया और कहा कि न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा को उनके निर्णयों और कार्यपालिका से उनकी कथित निकटता के कारण निशाना बनाया गया। शर्मा ने कहा कि वर्तमान में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ को भी *अनुचित जांच* का सामना करना पड़ा था। उन्होंने दावा किया कि यह उस पैटर्न को दर्शाता है, जिसमें जब भी न्यायिक परिणाम उनकी राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होते, विपक्ष की आलोचना तेज हो जाती है। उन्होंने न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर की सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के रूप में नियुक्ति की कांग्रेस की आलोचना पर भी निशाना साधा और कहा कि अतीत में भी बिना किसी विवाद के ऐसी नियुक्तियां की गई थीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अतीत में इसी तरह की नियुक्तियों के बावजूद, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि न्यायमूर्ति नजीर की राज्यपाल संबंधी भूमिका से न्यायिक स्वतंत्रता से समझौता हुआ है। शर्मा ने न्यायपालिका पर अपनी पार्टी के रुख का बचाव करते हुए कहा कि पार्टी *न्यायपालिका की भूमिका का निष्पक्ष रूप से सम्मान करती है* और दुबे की टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्पष्ट कर दिया है कि विवादास्पद बयान दुबे के निजी विचार हैं और पार्टी की स्थिति को नहीं दर्शाते हैं। विवाद तब शुरू हुआ जब गोड्डा (झारखंड) से सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर *धार्मिक युद्ध भड़काने* का आरोप लगाते हुए भड़काऊ टिप्पणी की और उसके विधायी अधिकार पर सवाल उठाया। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर अदालतें कानून बनाने जा रही हैं तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए और देश में हो रहे सभी गृहयुद्धों के लिए मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को दोषी ठहराया। दुबे ने समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने तथा धार्मिक मामलों पर दिए गए फैसलों सहित सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसलों पर भी निशाना साधा था, जिससे राजनीतिक विवाद और बढ़ गया था। कांग्रेस ने दुबे के बयानों के लिए जवाबदेही की मांग की है तथा इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर हमला और संविधान के लिए खतरा बताया है।

नए कानूनों का ...

नक्सलवाद के उन्मूलन, बस्तर के समग्र विकास और राज्य में सुरक्षा व न्याय तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने पर भी चर्चा हुई। इसमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर चर्चा की गई। साथ ही पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार के अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने शीघ्र नए कानूनों को राज्य में शत प्रतिशत लागू करने पर बल दिया। इससे पूर्व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में बताया कि छत्तीसगढ़ में नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासनिक व तकनीकी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। राज्य में 27 प्रकार की एसओपी और दिशा-निर्देश तैयार कर लागू किए गए हैं। इसके साथ ही लगभग 37,385 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। न्यायालयों, पुलिस थानों और जेलों को ई-साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम से लैस किया गया है। राज्य में अब तक 53,981 एफआईआर नए कानूनों के तहत दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से लगभग 50 फीसद मामलों में चालान प्रस्तुत हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी विशेष रणनीति पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में राज्य में चलाए गए ऑपरेशनों में कई वांछित नक्सली मारे गए, गिरफ्तार हुए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। नियद नेलानार योजना, बस्तर ओलंपिक, महिला सुरक्षा केंद्र, और आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे व पर्यटन ढांचे का विकास जैसे प्रयासों से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने का सार्थक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार वर्ष 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने के लिए कटिबद्ध है और बस्तर को भारत के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि छत्तीसगढ़ केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करेगा और देशभर में कानूनी सुधार की इस पहल को प्रभावी ढंग से लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। बैठक में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा सहित मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिरीक्षक सुशील द्विवेदी, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, प्रमुख सचिव विधि रजनीश श्रीवास्तव, सचिव गृह, नेहा चंपावत सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

पीएम मोदी से मिले ...

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, द्वितीय महिला उषा वेंस और उनके बच्चों के साथ, सोमवार को नई दिल्ली में स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर के दर्शन के साथ भारत की अपनी चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा की शुरुआत की। मंदिर के आधिकारिक एक्स हैंडल द्वारा साझा किए गए एक संदेश में, वेंस ने गर्मजोशी से भरे आतिथ्य और मंदिर की जटिल डिजाइन की सराहना की।

कनाडा में हिंदू मंदिर ...

वाली घटना की जानकारी दे रहे हैं। दो अज्ञात व्यक्तियों ने सरे में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को विरूपित किया और प्रवेश द्वार तथा मंदिर के स्तंभों पर *खालिस्तान* शब्द लिख दिया। इसके अलावा, इस कृत्य के दौरान सुरक्षा कैमरा भी चुरा लिया गया। बयान में कहा गया कि हम घृणा और चोरी के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, जो न केवल एक अपराध है, बल्कि एक पवित्र स्थान पर सीधा हमला है। इसमें कहा गया कि सरे पुलिस के समक्ष आधिकारिक तौर पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि हम नेताओं से आग्रह करते हैं कि वे इस घृणा अपराध की निंदा करने में हमारा साथ दें। कनाडा के सम्मानजनक और विविधतापूर्ण समाज में उपासना स्थलों पर हमलों के लिए कोई जगह नहीं है। इससे पहले कनाडा के वैंकूवर में एक गुरुद्वारे में तोड़फोड़ की गई और खालिस्तान समर्थक भित्तिचित्र बनाए गए। गुरुद्वारे के पदाधिकारियों ने इस कृत्य के लिए सिख अलगाववादियों के एक छोटे समूह को जिम्मेदार ठहराया है। एक मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। एक रिपोर्ट के अनुसार, वैंकूवर पुलिस विभाग के प्रवक्ता सार्जेंट स्टीव एडिसन ने कहा कि वह शनिवार को रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे पर बनाए गए भित्तिचित्र मामले की जांच कर रही है।

मुर्शिदाबाद हिंसा : हत्या मामले ...

के गांव से सटे गांव के निवासी हैं। दोनों अक्सर दास परिवार के गांव आते-जाते रहते थे। पुलिस ने कालू नदाब को बीरभूम जिले के मुरारई से और दिलदार नदाब को मुर्शिदाबाद के सुती इलाके से गिरफ्तार किया है। इसके बाद एक स्थानीय इलेक्ट्रीशियन इन्जमाम हक को भी गिरफ्तार किया गया, जो घरेलू मरम्मत के सिलसिले में दास परिवार के गांव में आता-जाता था। इसी मामले में चौथा आरोपित जियाउल हक उर्फ चाचा को शनिवार देर रात उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा से गिरफ्तार किया गया। जियाउल को भी स्थानीय लोग अच्छी तरह पहचानते हैं और उसका गांव में नियमित आना-जाना था। ग्रामीणों का शुरू से यह कहना रहा है कि हमलों को अंजाम देने वाले लोग न केवल आसपास के इलाकों से थे, बल्कि वे गांव की भौगोलिक स्थिति और रास्तों से अच्छी तरह वाकिफ थे। इससे यह साफ होता है कि यह हमला बाहरी नहीं, बल्कि अंदरूनी स्तर पर सुनियोजित था। गौरतलब है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय की विशेष खंडपीठ ने 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद के संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती का आदेश दिया था। अदालत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा सांप्रदायिक तनाव पर काबू पाने के लिए उठाए गए कदम अपर्याप्त साबित हुए हैं। खंडपीठ ने अपने आदेश में लिखा कि हालांकि हमने राज्य सरकार के उस रुख को दर्ज किया है कि वे विभिन्न समुदायों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक उठाए गए कदम पर्याप्त नहीं लगते। न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि यदि समय रहते केंद्रीय बलों की तैनाती की जाती, तो हालात इतने *गंभीर* और *अशांत* नहीं होते।

राष्ट्रपति को कैसे ...

विष्णु शंकर जैन का कहना था कि हिंसा पर काबू पाने के लिए बंगाल में अर्धसैनिक बलों की तैनाती होनी चाहिए। ऐसे में उन्होंने अदालत से गुजारिश की है कि वो केंद्र को सुरक्षाबलों की तैनाती करने और बंगाल हिंसा की जांच के लिए पैनल गठित करने का आदेश दे। साथ ही मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के पलायन की भी रिपोर्ट भी पेश की जाए। याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को ऐसा करने का आदेश दें? मगर हमारे ऊपर पहले ही कार्यपालिका के काम में दखलअंदाजी करने का आरोप लग रहा है। इसलिए प्लीज। बता दें कि जस्टिस बीआर गवई अगले महीने भारत के मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं। उनका कहना है कि सत्ताधारी दल के नेताओं ने जो बयान दिए हैं, उस पर सुप्रीम कोर्ट की पूरी नजर है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रपति और राज्यपाल को आदेश दिया था कि वो किसी भी बिल को अनिश्चित काल के लिए नहीं रोक सकते हैं। भाजपा के कई नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर आपत्ति दर्ज की थी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर सर्वोच्च न्यायालय ही सारे फैसले करेगा तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। निशिकांत दुबे के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया। कई विपक्षी नेताओं ने निशिकांत के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वन नेशन वन ...

एक देश एक चुनाव का बिल भले ही अभी जेपीसी के पास है लेकिन सरकार ने इसके लिए टास्क फोर्स तैयार किया है और टास्क फोर्स ने इसके लिए 2029 से जन-जागरूकता अभियान शुरू करने का रिपोर्ट भी दिया है। 2029 से जन-जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें आम जनता, एनजीओ, सामाजिक संगठन और बुद्धिजीवियों को जोड़ा जाएगा। इसके तहत 2029 में आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराए जाएंगे। इसके बाद 2029 से 2034 तक जिन राज्यों में चुनाव होंगे, उनके कार्यकाल को 2034 तक लाया जाएगा। 2034 में पहली बार पूरे देश में लोकसभा और विधानसभाओं के समानांतर चुनाव कराए जाएंगे। टास्क फोर्स की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि किसी विधानसभा का कार्यकाल 2034 से पहले समाप्त हो रहा हो तो स्थायी या अंतरिम उपायों के जरिए चुनाव टाले जा सकते हैं। इसके लिए एक 17 स्लाइड्स का पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन तैयार किया गया है जिसे राज्यों, संगठनों और मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाया जाएगा। शिवराज चौहान भी टास्क फोर्स का हिस्सा हैं और कई कार्यक्रमों में इसके समर्थन की अपील कर रहे हैं। दरअसल, टास्क फोर्स की सिफारिश पर केंद्र सरकार पांच प्रमुख विषयों पर जनसमर्थन जुटाएगी। तमाम एक्सपर्ट्स, जिन्होंने जेपीसी के सामने अपनी बात रखी है, एक देश एक चुनाव से देश को फायदे की बात कर रहे हैं। पीएम मोदी के ये ड्रीम प्रोजेक्ट है और वो भी लगातार इसको लेकर आम जानता से इसके चर्चा में शामिल होने का आग्रह करते हुए नजर आ रहे है। हालाकि जब जेपीसी में इसकी चर्चा शुरू हुई थी तब विधेयक की समीक्षा के दौरान कुछ सदस्यों ने बैलेट पेपर प्रणाली को पुनः लागू करने का प्रस्ताव रखा, लेकिन केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि बैलेट पेपर पर वापसी का विचार समिति के दायरे में नहीं आता और वर्तमान में ईवीएम प्रणाली ही जारी रहेगी। 2034 में *एक देश, एक चुनाव* का सपना साकार हो सकता है, लेकिन इसके लिए केंद्र और राज्यों के बीच व्यापक सहमति, कानूनी संशोधन और मजबूत जनसमर्थन की आवश्यकता होगी। सरकार इस प्रक्रिया को सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि जन-संवाद और सुधार की प्रक्रिया के रूप में आगे ले जाना चाहती है। सबसे खास बात चुनाव आयोजित करने में खर्चे को लेकर है। मिली जानकारी के मुताबिक, विगत लोकसभा चुनाव में कुल 1 लाख 35 हजार करोड़ रुपया खर्च हुआ था। इस हिसाब से प्रति वोट लगभग 1400 रुपया खर्च हुआ था। सभी राज्यों के अलग अलग विधानसभा चुनाव कराने और लोकसभा के चुनाव का खर्च लगभग 7 लाख करोड़ के आस पास होता है। जबकि यदि सभी चुनाव साथ साथ कराए जाएं तो 2 लाख करोड़ में सभी विधानसभा और लोकसभा चुनाव संपन्न हो जाएंगे, जिससे 5 लाख करोड़ की बचत होगी। इस पर तैयार किए गए बिल को लेकर बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति की बैठक 22 अप्रैल होगी।

दालों की कीमतों में ...

वर्षों के दौरान सरकार के पास दाल का सबसे कम स्टॉक बचा है। भंडार को भरने के लिए सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में 13.22 लाख टन दाल खरीद का लक्ष्य तय किया है। इसमें अभी तक 3.40 लाख टन से ज्यादा की खरीदारी हो चुकी है। यहां तक तो ठीक है, लेकिन किसानों के सामने सबसे बड़ी दिक्कत आ गई कि पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात की तिथि और मात्रा बढ़ा दी गई है। पिछले वर्ष भी सरकार ने दालों की कमी को पूरा करने के लिए लगभग 67 लाख टन दाल का आयात किया था। इसमें दो तिहाई हिस्सा पीली मटर का है। इस बार भी अभी तक संभावित जरूरत का लगभग एक तिहाई मटर दाल का आयात किया जा चुका है। पहली बार आठ दिसंबर 2023 को मटर को शुल्क मुक्त आयात किया गया था। तभी से जारी है। आयातित मटर की कीमत 3000 से 3500 रुपए प्रति क्विंटल है, जबकि देसी मटर 3400 से 3600 रुपए प्रति क्विंटल है। जाहिर है, सस्ते मटर के आयात से घरेलू मटर उत्पादकों को भी अच्छी कीमत नहीं मिल पाती है। बुंदेलखंड दाल मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंहचौहान से मटर का शुल्क मुक्त आयात बंद करने की मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि आयातित मटर का दाम सबसे कम है। अगर इस पर शुल्क नहीं लगाया गया तो किसान दलहन की खेती से कतराएंगे और ऐसे में दालों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना आसान नहीं होगा।

रक्षा मंत्री ने पत्नी ...

शामिल थे। इस ग्रुप का नाम *डिफेंस टीम हडल* था और इसे हेगसेथ ने जनवरी 2025 में बनाया था। हैरानी की बात यह है कि इस ग्रुप के लिए उन्होंने सरकारी डिवाइस की बजाय अपना निजी फोन इस्तेमाल किया। यह मामला पहले भी तब सामने आया था जब मार्च में *दी अटलांटिक* के संपादक जेफ्री गोल्डबर्ग को गलती से इस सिग्नल ग्रुप में जोड़ा गया था। उन्होंने बाद में बताया कि वह उस वक्त यह नहीं जानते थे कि वह ट्रंप के प्रशासन के उच्च अधिकारियों के साथ एक सैन्य योजना पर चर्चा कर रहे थे। गोल्डबर्ग के अनुसार, उन्हें हूती विद्रोहियों पर हमले की जानकारी दो घंटे पहले मिल गई थी, जब रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इसे ग्रुप में साझा किया था। ग्रुप में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री मार्को रुबियो, एनएसए माइक वॉल्ट्ज और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। इस घटना पर ट्रंप ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और दी अटलांटिक पर तंज कसते हुए कहा कि मैं उस मैगजीन का फैन नहीं हूं। यह पूरा मामला अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है, जहां सैन्य योजनाएं अब निजी चैट ग्रुप्स में लीक हो रही हैं।

बकरी चोरी के आरोप ...

पर बकरियां चुराने की कोशिश करते हुए पकड़ लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद भीड़ ने दो व्यक्तियों पर हमला कर दिया, जिससे एक की मौत हो गई तथा दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि गुस्साए स्थानीय लोगों ने दोपहिया वाहन को भी आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक सहित शीर्ष अधिकारी स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारी ने बताया कि घायल व्यक्ति का यहां असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। डिब्रूगढ़ के उपायुक्त बिक्रम कोइरी ने कहा कि हम प्रारंभिक जांच कर रहे हैं और दोषियों को सजा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है तथा सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

अमेरिका का यमन ...

समर्थित विद्रोहियों को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने हमले के बारे में सवालों के जवाब देने या अपने अभियान में नागरिक के हताहतों पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। हूती विद्रोही समूह के अनुसार, यह हमला सना के शूब जिले के फरवा पड़ोस के बाजार में हुआ। इस इलाके को पहले भी अमेरिकी सेना ने निशाना बनाया है। अल-मसीरा के प्रसारित फुटेज में इलाके में वाहनों और इमारतों को नुकसान पहुंचा हुआ दिखाया गया है। साथ ही चीखते हुए लोगों ने एक मृत बच्चे को पकड़ा हुआ है। अन्य लोग अस्पताल ले जाते समय स्ट्रेचर पर रो रहे हैं। समूह ने कहा कि रात से लेकर सुबह तक देश के कई इलाकों में हमले किए गए। इनमें अमरान, होदेदा, मारिब और सादा के शासन क्षेत्र शामिल हैं। ताजा हमले पिछले सप्ताह रास ईसा बंदरगाह पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद हुए हैं। पिछले सप्ताह हुए हमले में कम से कम 74 लोग मारे गए और 171 अन्य घायल हो गए थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने हूती विद्रोहियों के खिलाफ नया सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की थी। यह हमले तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच रोम में वार्ता की बहाली के बाद हुए हैं। अमेरिका का कहना है कि वह हूतियों को तब तक निशाना बनाएगा जब तक वह लाल सागर में शिपिंग पर हमला बंद नहीं करते।

जुरिया, बरपेटा और ग्वालपाड़ा में कांग्रेस का टिकट बिक्री केंद्र : पीयूष हजारिका

भाजपा के पंचायत चुनाव मैनेजमेंट कमेटी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा की पंचायत चुनाव प्रबंधन समिति के मुख्य कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर मंत्री पीयूष हजारिका ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पंचायत व्यवस्था में भ्रष्टाचार को लाइसेंस देने की कोशिश कर रही है और पार्टी टिकटों की खुलेआम बिक्री कर रही है। मंत्री हजारिका भाजपा की पंचायती चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि हर कोई जानता है कि कांग्रेस कहां पंचायत चुनाव के टिकट बेच रही है–जुरिया, धिंग, लाहरीघाट, बरपेटा, धुबड़ी आदि कांग्रेस की टिकट बिक्री के केंद्र बन गए है। इससे साफ है कि कांग्रेस पार्टी किसके लिए और क्यों काम कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा को जनता का अपार समर्थन मिल रहा है, जिसका उदाहरण है कि कई सीटों पर भाजपा–नीत एनडीए उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके है। हजारिका ने विश्वास जताया कि शेष सीटों पर भी एनडीए को निर्णायक जीत मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी बीटीआर (बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन) चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित है और 11 महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनावों में भी पार्टी ऐतिहासिक सफलता दर्ज करेगी। उन्होंने भाजपा की मजबूती का श्रेय राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया के नेतृत्व को दिया, जिनके मार्गदर्शन में पार्टी एक सशक्त संगठन बनी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की चलाई गई जन–कल्याणकारी और विकासपरक नीतियों को भी जनता के समर्थन का प्रमुख कारण बताया। इस बीच, मंत्री हजारिका के नेतृत्व में चुनाव प्रचार की रणनीति को और तेज कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को धेमाजी और तिनसुकिया में चुनावी रैलियों को संबोधित किया, जबकि वे मंगलवार को लखीमपुर और शिवसागर जिलों में चुनाव प्रचार में भाग लेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, जो हाल ही में बराक घाटी में प्रचार कर चुके है, 22 और 23 अप्रैल को गोलाघाट, शोणितपुर, गहपुर और उत्तर लखीमपुर में जनसभाएं करेंगे। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल 23 अप्रैल को सदिया, लखीमपुर और जोनाई में चुनावी रैलियों में भाग लेंगे। अन्य मंत्री और वरिष्ठ नेता राज्य भर में प्रचार में सक्रिय है। पंचायत चुनाव प्रबंधन समिति के नए कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में असम भाजपा प्रभारी हरीश द्विवेदी और सांगठनिक महासचिव आर रविंद्र राजू समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

कछार में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दिलीप सैकिया ने की चर्चा

कछार (हिंस)। असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने सोमवार को कछार जिला कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर पंचायत चुनावों की रणनीति पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत करने और *मन की बात* कार्यक्रम जैसे अभियानों को बूथ स्तर तक पहुंचाने की दिशा में कार्यकर्ताओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। दिलीप सैकिया ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रेम और सहयोग ने मुझे भावविभोर कर दिया। बूथ समितियों को मजबूत करने की दिशा में हर कार्यकर्ता को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। इस कार्यक्रम में उनके साथ भाजपा कछार जिला अध्यक्ष रूपम साहा, मंत्री कौशिक राय, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजदीप रॉय, प्रदेश सचिव कनाड पुरकायस्थ, वरिष्ठ नेता बिस्वरूप भट्टाचार्य समेत अनेक सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकार जमीनी स्तर पर शिक्षा को मजबूत करने के लिए हर पंचायत में हाई स्कूल खोलने की योजना बना रही है

गुवाहाटी। शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने रविवार को कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से सरकार प्रत्येक ग्राम पंचायत में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थापित करने पर विचार कर रही है। बोरदोलोनी के गोगामुख में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए डॉ. पेगु ने स्कूली शिक्षा को कक्षा 10 से आगे बढ़ाने की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम शिक्षा को प्राथमिकता दे रहे है और राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोलने की योजना पर काम कर रहे है। ये स्कूल छात्रों को विज्ञान, वाणिज्य या कला विषयों में पढ़ाई करने का विकल्प प्रदान करेंगे, जिससे वे लंबी दूरी की यात्रा किए बिना अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर सकेंगे। मंत्री ने उदाहरण के तौर पर भेबेली पंचायत का हवाला दिया, जहां उच्चतर माध्यमिक सुविधा के अभाव के कारण छात्रों को वर्तमान में गोगामुख या बोरदोलोनी जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक गांव और पंचायत के छात्र घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब शिक्षा विभाग को हाल के विवादों के कारण बढ़ती आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिस में प्रश्नपत्र लीक होने और सार्वजनिक परीक्षाओं में प्रदर्शन में गिरावट के आरोप शामिल है। मार्च में, प्रश्नपत्र लीक होने के कारण इस वर्ष की उच्चतर माध्यमिक (एचएस) परीक्षा रद्द करने के बाद शिक्षा विभाग को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) निर्धारित परीक्षाओं से पहले परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद आलोचनाओं के घेरे में आ गया। हाल ही में घोषित हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन के बाद भी सरकार ने स्कूल प्रणाली को मजबूत करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया है। राज्य में केवल 63.98 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया गया–जो पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है, जबकि 2023 में यह 72.69 प्रतिशत और 2024 में 75.7 प्रतिशत होगा।

गुवाहाटी शहर में वीरांगना सती साधना का स्मृति दिवस मनाया गया

साधना ने हमेशा हमें तमाम चुनौतियों के बावजूद जीवन की जंग जीतने के लिए प्रेरित किया है

गुवाहाटी। देशभक्ति, मृत्यु को चुनौती देने वाले आदर्शों और वीरता की महान वीरांगना सती साधनी को आज पूरे राज्य में याद किया गया। इस दिन 1524 में, चुटिया साम्राज्य की अंतिम रानी सती साधनी ने देश और अपने राष्ट्र की खातिर खुद को बलिदान कर दिया था। गुवाहाटी शहर ने आज देशभक्ति के शाश्वत प्रतीक और असम की महान नायिका को याद किया। 2013 साधना स्मृति दिवस बरबारी के पाथरकुएरी मैगजीन स्थित साधना भवन में मनाया गया। यह कार्यक्रम गुवाहाटी चुटिया समाज द्वारा महानगर जिला चुटिया जाति सम्मेलन, महिला सम्मेलन, युवा सम्मेलन, चुटिया छात्र संस्था और चुटिया सांस्कृतिक विकास केंद्र के सहयोग से आयोजित किया गया था। वे याद रखते है। कार्यक्रम का उद्घाटन दिव्यज्योति राजखोवा और कुंडिल चुटिया ने साधनी स्मृति दिवस का ध्वज फहराकर किया। इस कार्यक्रम में देश भर से 1000 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में देश भर से 1000 लोगों ने भाग लिया। ऐसे कई तरीके है जिनसे आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते है। ऐसे कई तरीके है जिनसे आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते है। वास्तव में, सती साधनी उन चंद असमिया नायकों और नायिकाओं में से एक है, जिनका नाम देश और राष्ट्र के लिए उनके साहस, धैर्य, वीरता और अत्यधिक बलिदान के लिए इतिहास की किताब में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। आत्मसम्मान, दृढ़ मनोबल और अटूट साहस की उनकी कहानी ने ह में हमेशा तमाम चुनौतियों के बावजूद जीवन की जंग जीतने की प्रेरणा दी है। शहर के चुटिया जाति सम्मेलन में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और महानगर जिला चुटिया जाति सम्मेलन के अध्यक्ष तरुण चुटिया ने इस दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह की अध्यक्षता की। बैठक में अध्यक्ष चुटिया भी उपस्थित थे। इस महान महिला के अत्यधिक बलिदान के इतिहास ने असमिया महिलाओं को युगों–युगों से विश्व के लोगों के मन में सम्मानजनक स्थान दिलाया है। उन्होंने असम की युवा पीढ़ी से सती साधना के आदर्शों से प्रेरित होने का आग्रह किया। बैठक में नाटककार मुन्मी बारदोलोई शैकिया ने भाग लिया और उन्होंने साधना के जीवन के बारे में बताया। फिल्म में कई अलग–अलग प्रकार के पात्र है।

फिल्म में कई अलग–अलग प्रकार के पात्र है। बैठक में वरिष्ठ नागरिक आनंद बरुवा, अनंत नियोग, सांस्कृतिक कार्यकर्ता स्मृति रेखा शैकिया और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में चुटिया संस्कृति और अन्य जनजातियों के नृत्य समूहों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में चुटिया संस्कृति और अन्य जनजातियों के नृत्य समूहों ने भाग लिया। इस बीच, मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का इतिहास महान असमिया महिलाओं की वीरता से भरा हुआ है। ऐसे कई कारण है कि आपको ये उत्पाद नहीं खरीदने चाहिए। ये है वो कारण जिनकी वजह से आपको ये उत्पाद नहीं खरीदने चाहिए उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि चुटिया साम्राज्य और चुटिया राष्ट्र असम के गौरवशाली इतिहास के एक सुनहरे अध्याय का हिस्सा है, जहां नायिका साधना ने लोगों की गरिमा की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि वीरांगना सती साधनी के अदम्य साहस, वीरता और बलिदान की अमर गाथा ने चुटिया साम्राज्य के इतिहास को गौरवान्वित किया है। उनकी अतुलनीय कार्य चेतना और देश व राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता ह में राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सदैव प्रेरित करती रहेगी। सती साधनी चुटिया राज्य की अंतिम रानी थीं जिन्होंने देश और राष्ट्र के लिए साहस, धैर्य, वीरता और बलिदान दिखाया। यह नारी शक्ति का अनूठा उदाहरण है जिन्होंने देश और राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दिया। मैं उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इसी तरह, कृषि मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि वीरांगना सती साधनी एक ऐसा नाम है जो देशभक्ति और बलिदान की अतुलनीय कहानी के साथ इतिहास के पन्नों में चमकेगा। उन्होंने कहा कि साहस के इस उदाहरण से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

कामाख्या मंदिर के निकट भयावह मारपीट, छह हिरासत में

गुवाहाटी (हिंस)। कामाख्या मंदिर के नजदीक एक भयावह मारपीट की घटना सामने आई है। यह घटना कामाख्या मंदिर से बगला मन्दिर की ओर जाने वाले रास्ते में हुई। पुलिस द्वारा सोमवार को दी गई जानकारी के अनुसार, गुवाहाटी के सुबोध कुमार सिंह नामक व्यक्ति पर करीब 15 लोगों के एक गिरोह ने हमला कर दिया। वे कामाख्या मंदिर की ओर जा रहे थे, इसी दौरान हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और बुरी तरह से पीटाई की। हमले में सुबोध कुमार सिंह को काफी चोटें आई है। मामले की शिकायत सिंह ने कामाख्या पुलिस चौकी में दर्ज कराई है। कामाख्या पुलिस ने अब तक छह लोगों को हिरासत में लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पानबजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे गेट नंबर 3 के पास पानबजार पुलिस ने सोमवार को एक तलाशी अभियान चलाते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान जहीरुद्दीन अली उर्फ गोपाल बर्मन (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से काले रंग की प्लास्टिक पॉलिथीन में रखे 36 प्लास्टिक वायल बरामद किए, जिन में हेरोइन भरी हुई थी। बरामद नशीले पदार्थों का कुल वजन 36.47 ग्राम (वायल्स समेत) बताया गया है। इस मामले में पुलिस ने जहीरुद्दीन अली की पत्नी जौहरा खातून को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को डंपर ने कुचला

दरंग (हिंस)। असम के सिपाझार–गरुखुटी मार्ग के भुक्ताबाड़ी इलाके में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब एक तेज रफ्तार डम्पर ने मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला को कुचल दिया। महिला की पहचान मिनाक्षी बरुवा के रूप में हुई है, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डम्पर बेहद तेज रफ्तार में था और नियंत्रण खोने के बाद सीधे महिला के ऊपर चढ़ गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने इलाके में सुरक्षा इंतजामों की कमी को लेकर नाराजगी जताई है और प्रशासन से कठोर कदम उठाने की मांग की है।

पूप्रमास की बंगाईगांव शाखा के नए अध्यक्ष बने अनिल कुमार सुराणा

बंगाईगांव। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की बंगाईगांव शाखा की द्विवार्षिक साधारण सभा (सत्र 2023–25) का आयोजन 20 अप्रैल को तेरापंथ भवन के सभागार में किया गया। मंच संचालन करते हुए महेश कुमार अग्रवाल ने शाखा अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका, शाखा सचिव अजित सिंह भंसाली एवं कोषाध्यक्ष किशोर कुमार जैन को मंच पर आमंत्रित किया। सभा के प्रारंभ में समाज के दिवंगत लोगों के प्रति 1 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके पश्चात अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका ने अपना स्वागत भाषण रखते हुए समस्त सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपने कार्यकाल में बंगाईगांव के सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज से प्राप्त सहयोग को अभूतपूर्व और अद्वितीय बताया। मंजू दुग्गड़ के नेतृत्व में महिला शाखा के गठन में अखय चंद बैद के महत्वपूर्ण योगदान की भी प्रशंसा की। इसके पश्चात कोषाध्यक्ष किशोर कुमार जैन द्वारा ऑडिटेड आय–व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। तत्पश्चात सचिव अजीत सिंह भंसाली द्वारा गत दो वर्षों की गतिविधियों का गरिमामय प्रतिवेदन सभा में प्रस्तुत किया गया।

देश के सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट में बीमारी से परेशान लोग

शिलांग। मेघालय के औद्योगिक शहर बर्नीहाट में वायु गुणवत्ता बेहद खराब है, जिससे स्थानीय लोग स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे है। दो वर्षीय सुमैया अंसारी को सांस लेने में कठिनाई के कारण अस्पताल में भर्ती। मेघालय का एक छोटा लेकिन अत्यधिक औद्योगिक शहर बर्नीहाट के लोग कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, इसका कारण खतरनाक वायु गुणवत्ता है। भारत के बर्नीहाट की रहनेवाली दो साल की सुमैया अंसारी कई दिनों से सांस लेने में समस्या से जूझ रही थी। मार्च में उसेअस्पताल में भर्ती कराया गया और ऑक्सीजन सहायता दी गई। वायु गुणवत्ता पर नजर बनाए रखनेवाली स्विट्जरलैंड की कंपनी *आईक्यूएयर* की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2024 में मेघालय के इस शहर का नाम दुनिया के सबसेप्रदूषित शहरों की सूची में टॉप पर था.सुमैया पूर्वोत्तर भारत के असम और मेघालय राज्यों की सीमा पर स्थित औद्योगिक शहर के कई निवासियों में से एक है–जो अपनी हरी–भरी, प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुमैया ऐसी बीमारी से पीड़ित हैजिसके बारे में डॉक्टरों का कहना है कि वह प्रदूषण के उच्च जोखिम से जुड़ी है। कोयला क्यों है मुश्किलों की खानसबसेप्रदूषित शहर का काला सच

आईक्यूएयर के मुताबिक, 2024 में बर्नीहाट की औसतन सालाना पार्टिकुलेट मैटर यानी पीएम 2.5 128. 2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी, जो डब्ल्यूएचओ द्वारा तय स्तर से 25 गुना गु अधिक है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, लोगों के स्वास्थ्य के लिए पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) सबसेज्यादा खतरनाक होते है। येबेहद सूक्ष्म कण होते है, जो सांस के जरिए शरीर में घुस जाते है। ईंधन जलानेसेपैदा होनेवालेपीएम 2.5 कण तो फेफड़ों तक में जा सकते है। वहीं, खेती, परिवहन और खनन जैसी गतिविधियों से पैदा होनेवालेपीएम 10 कण खांसी–जुकाम जैसी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते है। सुमैया को दो दिनों तक अस्पताल में रखनेके बाद उसेघर लाया गया.उसके पिता अब्दुल हलीम ने कहा कि यह बहुत डरावना था, वह मछली की तरह सांस लेरही थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस क्षेत्र में सांस संक्रमण के मामलों की संख्या 2022 में 2,082 से बढ़कर 2024 में 3,681 हो गई। बर्नीहाट के प्राथमिक स्वास्थ्य से वा केंद्र के डॉ.जे.मारक ने कहा कि हमारेयहां हर दिन आनेवाले 90 प्रतिशत मरीज या तो खांसी या अन्य सांस सबंधी समस्याओं के साथ आते है। शहर के लोगों का कहना है कि जहरीली हवा के कारण त्वचा पर चकत्तेऔर आंखों में जलन होती है, फसलों को नुकसान पहुंचता हैऔर बाहर कपड़े सुखानेजैसेरोज के काम भी बाधित होते है। एक किसान दिलदार हुसैन ने कहा कि सब कुछ धूल या कालिख से ढका हुआ है। वायुप्रदूषण का शिकार होते है दुनिया के 99 फीसदी लोग बर्नीहाट की हालत के लिए कौन जिम्मेदार हाल के सालों में यह शहर तेजी से एक औद्योगिक केंद्र के तौर पर विकसित हुआ है। शहर का रिहायशी इलाका तो मेघालय के री–भोई जिले में है.लेकिन यहांऔद्योगिक इकाइयां दोनों राज्यों में फैली है। यहां सीमेंट से लेकर स्टील प्लांट तक सैकड़ों यूनिट्स है। मेघालय में तो यह इकाइयां बर्नीहाट एक्सपेर्ट प्रमोशन काउंसिल इंडस्ट्रियल पार्क में है जबकि सीमा पार असम में यह कामरूप जिलेके तामुलीकुची में है। यह इकाइयां नेशनल हाइवे के किनारे ही स्थित है। आलोचकों का कहना है कि बर्नीहाट की स्थिति प्रदूषण की व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाती है, जो ना केवल भारत के शहरों, जिन में राजधानी दिल्ली भी शामिल है, को परेशान कर रही है, बल्कि इसक है। हालांकि, देश के अन्य हिस्सों के उलट जो हर सर्दियों में प्रदूषण का सामना करते है, बर्नीहाट की वायु गुणवत्ता साल भर खराब रहती है। बर्नीहाट में लगभग 80 उद्योग है, जिन में से कई अत्यधिक प्रदूषणकारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि शहर में प्रदूषण के लिए भारी वाहनों से होनेवाला उत्सर्जन भी शामिल है। वायुप्रदूषण की वजह से हर दिन 100 से ज्यादा बच्चों की हुई मौत: यूनिसेफअसम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष अरूप कुमार मिश्र कहते है कि मेघालय के पहाड़ी इलाकों और असम के मैदानी इलाकों के बीच बसेइस इलाके में प्रदूषकों के हटनेकी कोई गुंजाइश नहीं है। मेघालय सरकार के एक अधिकारी नेनाम न बतानेकी शर्तपर बताया कि शहर की भौगोलिक स्थिति के कारण भी समाधान कठिन हो गया है, क्योंकि राज्य एक–दूसरेपर दोष मढ़ते है। हालांकि, मार्च में आईक्यूएयर की रिपोर्ट जारी होनेके बाद से असम और मेघालय ने बर्नीहाट के प्रदूषण से निपटने के लिए एक संयुक्त समिति बनाने और साथ मिलकर काम करनेपर सहमति जताई है।

संपादकीय

शिक्षा का विस्थापन

आखिर क्यों कोचिंग सेंटर की क्लास में स्कूली शिक्षा ही नहीं, पूरी पाठशाला पहुंच गई। अब शिक्षा की काबिलीयत में 'डमी एडमिशन' का फार्मूला ईजाद हो गया है। यानी 'दस्तखत पर चढ़ी सियाही ही फरेबी निकली, हमने तो पूरी जिंदगी लगा के मजमून लिखा था।' शिकायतें अब कहीं जाकर स्कूल बोर्ड के कानों में गूंजी, तो मालूम हुआ कि चंडीगढ़ में क्यों हिमाचली छात्र भागे-भागे घूम रहे हैं। शिक्षा की औकात बदलने की जद्दोजहद अगर स्कूल की नीयत में नहीं, तो कम से कम जो बच्चे करियर की तलाश में आगे बढना चाहते हैं, उनके ऊपर नकेल क्यों। एक अनुमान के अनुसार चंडीगढ़ की कोचिंग में दस हजार से ऊपर हिमाचली बच्चे अपना मुस्तकबिल छान रहे हैं। इनमें से अस्सी फीसदी भी अगर स्कूली छात्र हैं, तो 'डमी एडमिशन' के इस खेल में चांदी ही चांदी है। शिक्षा में चांदनी की तलाश के पहिये अगर प्रदेश के बाहर घूम रहे हैं, तो शिक्षा बोर्ड बचाएगा किसे। क्या इससे स्कूल बच जाएंगे या निजी क्षेत्र की जमीन पर शिक्षा का व्यापार नहीं होगा। शिक्षा में घुसे व्यापार को सामाजिक अनुमति का ही प्रमाण मिला है कि चंडीगड़-हिमाचल के बीच इसकी दोहरी प्रणाली ने प्रदेश से शिक्षा का विस्थापन लिख दिया। मसला है भी यह कि क्यों धीरे-धीरे सरक कर हिमाचली शिक्षा ने उसूल बदल लिए, मां-बाप ने 'डमी एडमिशन' जैसा पाप कबूल कर लिया। क्या उनके पास और कोई चारा नहीं या शिक्षा का अचार अब आयातित सामग्री से ही बनता है। इससे शिक्षा बोर्ड को अगर कांटा लगा, तो जख्म सुखाने के लिए मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों का उपचार जरूरी है। नहीं होने चाहिएं अवैध धंधे, लेकिन पूछा तो यह भी जाएगा कि वार्षिक परीक्षाओं में विभागीय लियाकत क्यों दर्ज नहीं होती। निजी बनाम सरकारी स्कूलों के बीच आखिर इतनी मिट्टी क्यों पलीद हुई कि शिक्षा के कई शिविर, कई तरीके और कई अफसाने बन गए। अंततः लक्ष्य तो जीवन का है, तो क्या हिमाचली शिक्षा 'जीवन पढ़ाने' या जीवन में आगे बढ़ाने का इंतजाम कर रही है। आज अगर करियर का गुणात्मक पक्ष देखना हो, तो क्या हिमाचल का शिक्षा विभाग या बोर्ड किसी सरकारी स्कूल का पता देगा। हम 'डमी एडमिशन' के खिलाफ अभियान के साथ हैं, लेकिन हिमाचली बच्चों के करियर की तलाश से दूर कैसे हो सकते हैं। अंततः कोचिंग सेंटर अब एक संस्कृति, एक तरीका, एक पायदान और करियर की महत्त्वाकांक्षा का जरिया कैसे बन गए। क्यों पढ़ाई सरकारी स्कूलों में मुकम्मल नहीं हो रही या यह छूट अभिभावकों को कैसे मिल गई कि बच्चों के अंधेरों को मिटाकर अगर रोशनी की तलाश है, तो एक हाथ कोचिंग, दूसरे में 'डमी एडमिशन' का बंदोबस्त जरूरी है। हम इसे अभिभावकों की भेड़चाल करार दें या निजी स्कूलों व कोचिंग केंद्रों की अवैध संलिप्तता मानें, मगर शिक्षा की ऐसी परिणति के लिए सरकारी क्लास रूम की विफलता भी तो माननी पड़ेगी। यह हालत एक दिन में नहीं हुई, बल्कि जब इसकी शुरुआत हुई, तो शिक्षा को चलाने वाले अनभिज्ञ बने रहे। शिक्षा का गुणात्मक पक्ष किसकी वजह से हारा, इस पर भी तो बहस हो। आखिर शिक्षा का अपना मॉडल है क्या। यह क्यों सरकारी और निजी परिसर में अलग-अलग दिखाई दे रहा। जहां तक स्कूल शिक्षा बोर्ड का सवाल है, यह संस्थान परीक्षा बोर्ड ही साबित हुआ है। जाहिर है दसवीं की परीक्षा के बाद बारहवीं में कदम रखते ही जिंदगी में आगे बढने के संकल्प और भविष्य के पन्ने खुल जाते हैं। ऐसे में आगे प्रोफेशनल कालेजों की प्रवेश परीक्षाओं और जमा दो की आम परीक्षाओं के बीच सपनों और हकीकत के बीच एक अंतरंगी संसार का उदय होता है। इन क्षणों का दबाव क्या हिमाचल के शिक्षा विभाग व बोर्ड ने महसूस किया। अगर स्कूल शिक्षा बोर्ड को इस कसौटी पर उत्तीर्ण घोषित होना है, तो सर्वप्रथम कुछ मॉडल स्कूल बनाकर करियर की तैयारी में, स्कूल के अंतिम दो सालों में सार्थक ऊर्जा का संचार करे। मैट्रिक परीक्षा के बाद शिक्षा की करवट, करियर की तलाश तक जारी रहती है।

> अब शिक्षा की काबिलीयत में 'डमी एडमिशन' का फार्मूला ईजाद हो गया है। यानी 'दस्तखत पर चढ़ी सियाही ही फरेबी निकली, हमने तो पूरी जिंदगी लगा के मजमून लिखा था।' शिकायतें अब कहीं जाकर स्कूल बोर्ड के कानों में गूंजी, तो मालूम हुआ कि चंडीगढ़ में क्यों हिमाचली छात्र भागे-भागे घूम रहे हैं। शिक्षा की औकात बदलने की जद्दोजहद अगर स्कूल की नीयत में नहीं, तो कम से कम जो बच्चे करियर की तलाश में आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके ऊपर नकेल क्यों। एक अनुमान के अनुसार चंडीगढ़ की कोचिंग में दस हजार से ऊपर हिमाचली बच्चे अपना मुस्तकबिल छान रहे हैं। इनमें से अस्सी फीसदी भी अगर स्कूली छात्र हैं, तो 'डमी एडमिशन' के इस खेल में चांदी ही चांदी है। शिक्षा में चांदनी की तलाश के पहिये अगर प्रदेश के बाहर घूम रहे हैं, तो शिक्षा बोर्ड बचाएगा किसे।

आप का नजरीया

राज्यपाल के दायित्व

संविधान में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका, लक्ष्मण-रेखाएं और मर्यादाएं स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। सभी अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र हैं। कोई भी अन्य के विशेष क्षेत्र में दखल नहीं दे सकता। संविधान का अनुच्छेद 122 संसद की कार्यवाही की वैधता को प्रक्रियागत अनियमितता के आधार पर चुनौती देने से रोकता है। यह संसद के आंतरिक मामलों को न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित रखता है और इसकी विधायी स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इस संवैधानिक व्यवस्था के बावजूद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को यह बयान देना पड़ा कि अनुच्छेद 142 न्यायपालिका के लिए 'परमाणु मिसाइल' बन गया है। यह मिसाइल 24 घंटे न्यायपालिका को हासिल है। उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। उन्होंने कहा है कि सर्वोच्च अदालत देश के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती। कुछ सेवानिवृत्त न्यायमूर्तियों ने स्पष्ट किया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने राष्ट्रपति को कोई भी, किसी भी तरह का, निर्देश नहीं दिया है। यह पीठ का फैसला पढ़ कर समझा जा सकता है। दरअसल चर्चा उस प्रकरण के संदर्भ में शुरू हुई थी, जब तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधानसभा से पारित विधेयकों पर मुहर नहीं लगाई थी और उन्हें दबा कर बैठे थे। ऐसा कई राज्यपाल गैर-भाजपा शासित राज्यों में कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड देखा जा सकता है। सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए न केवल उन विधेयकों को कानून बना दिया, बल्कि राज्यपाल के लिए निर्देश भी तय कर दिए। बेशक राष्ट्रपति को न तो निर्देश दिए जाते और न ही 'परमाणु मिसाइल' की स्थिति बनी है। भारत में राष्ट्रपति केंद्रीय कैबिनेट की सलाह पर काम करते हैं। गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्ट्रपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सर्वोच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गईं कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सर्वोच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? दरअसल ऐसे निर्णय भी सरकार और कैबिनेट के स्तर पर लिए जाते हैं और फिर संबद्ध मंत्रालय द्वारा भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर करते हैं। राष्ट्रपति एक मायने में, लिखित रूप से, नियोक्ता हैं और सरकार की कार्यप्रणाली के मुताबिक, नियोक्ता नहीं भी हैं। हमें नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। बल्कि ऐसी हरकत भाजपा सांसदों ने की है। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा-'इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उनके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस संजीव खन्ना साहब हैं।' भाजपा सांसद ने यहां तक आरोप लगाया कि अदालत इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। अदालत राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकती है? आपने नया कानून कैसे बना दिया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन माह में ही फैसला लेना है? बहरहाल भाजपा नेतृत्व ने यह अच्छा किया कि सांसदों की ऐसी टिप्पणियों से किनारा कर लिया और ऐसे बयानों को खारिज कर दिया। अलबत्ता यहां से राजनीति नया तूल ले सकती थी। सर्वोच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल 'राजनीतिक' होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है।

विधानसभा में एक तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है जो यह बताएगी कि कैसे तमिलनाडु को एक स्वायत्त राज्य बनाया जा सकता है

तमिलनाडु की स्वायत्तता की मांग : संघीय ढांचे की परीक्षा

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

> राजनीतिक दल सत्ता लोलुप होते हैं और इसकी प्राप्ति के लिए निरन्तर उपक्रम करते रहते हैं। इसके निमित्त कई बार ये संविधान के परित: जाकर कार्य करते हैं। यह परम्परा भारत जैसे देश में भी याद-कदा देखने को मिलती है। हाल ही में तमिलनाडु में कुछ ऐसा घटित हुआ है जिससे भारतीय राजनीति में भूचाल आ सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमन्त्री एम .के . स्टालिन द्वारा 15 अप्रैल को अपने राज्य को स्वायत्तता प्रदान करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। वस्तुत: इस घटना से एक बार पुन: केंद्र और राज्य के मध्य टकराहट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 यह कहता है कि 'भारत राज्यों का संघ (यूनियन) होगा'।

लोकतन्त्र वर्तमान शासन प्रणाली का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण एवं लोकप्रिय स्वरूप है। इसकी आत्मा संविधान में निहित है। संविधान किसी भी देश की राजनीति का मार्गदर्शक है। राजनीति के उद्देश्यों का साधन राजनीतिक दल हैं। राजनीतिक दल सत्ता लोलुप होते हैं और इसकी प्राप्ति के लिए निरन्तर उपक्रम करते रहते हैं। इसके निमित्त कई बार ये संविधान के परितः जाकर कार्य करते हैं। यह परम्परा भारत जैसे देश में भी याद-कदा देखने को मिलती है। हाल ही में तमिलनाडु में कुछ ऐसा घटित हुआ है जिससे भारतीय राजनीति में भूचाल आ सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमन्त्री एम.के. स्टालिन द्वारा 15 अप्रैल को अपने राज्य को स्वायत्तता प्रदान करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। वस्तुतः इस घटना से एक बार पुनः केंद्र और राज्य के मध्य टकराहट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 यह कहता है कि 'भारत राज्यों का संघ (यूनियन) होगा'। अर्थात भारत नश्वर राज्यों का अनश्वर संघ है, जिसमें राज्य तो विभाज्य हो सकते हैं परन्तु संघ का विभाजन नही हो सकता है। अब प्रश्न उठता है कि क्या तमिलनाडु के मुख्यमन्त्री का यह निर्णय संवैधानिक है ? क्या कोई इकाई भारतीय संघ से अलग हो सकती है ? इन प्रश्नों की पड़ताल करना संविधान और राजनीति में रुचि रखने वालों के लिए स्वाभाविक है। इन प्रश्नों का विश्लेषण करने के पूर्व यह जानना जरूरी है कि इस विवाद के पीछे असल वजह क्या है ? विगत 15 अप्रैल को एम.के. स्टालिन ने विधानसभा में एक तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है जो यह बताएगी कि कैसे तमिलनाडु को एक स्वायत्त राज्य बनाया जा सकता है। ऐसा उन्होंने विधानसभा के नियम संख्या 110 के अंतर्गत स्वप्रेरणा से की। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ करेंगे। इसके अन्य सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के. अशोक वर्धन शेट्टी और राज्य योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष एम. नागनाथन होंगे। इन तीनों का सम्बन्ध स्टालिन के राजनीतिक दल से है। यह समिति एक वर्ष में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी और उसके बाद इस पर कोई निर्णय लिया जाएगा। तमिलनाडु में अगले वर्ष चुनाव है और ऐसा प्रतीत होता है कि यह निर्णय पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। बहरहाल इस समिति का उद्देश्य संविधान, कानूनों और नीतियों में निहित केंद्र-राज्य संबंधों के

प्रावधानों की समीक्षा करना, राज्यों की स्वायत्तता को बढ़ावा देना तथा राज्य सूची से समवर्ती सूची में डाले गए विषयों को पुनः राज्यों को सौंपने हेतु सुझाव देना है। समिति उन प्रशासनिक चुनौतियों पर भी विचार करेगी, जिनका सामना राज्य सरकारें कर रही हैं। इसका अर्थ यह है कि स्टालिन केवल तमिलनाडु तक स्वयं को सीमित नही कर रहे हैं बल्कि वे तमिलनाडु को अन्य राज्यों के मॉडल के रूप में पेश करने की जुगत में हैं। स्टालिन ने अपने पक्ष में कई तरह के तर्क प्रस्तुत किए मसलन वित्तीय स्वायत्तता, राज्यों के अधिकारों में अनवरत कटौती, परिसीमन, त्रिभाषा और शिक्षा नीति इत्यादि। हाल ही में ए.आई.डी.एम.के. और भा.ज.पा. के मध्य गठजोड़ (एन.डी.ए) होने के बाद तमिलनाडु में राजनीति गरम हो गई है। डी.एम.के. का उत्तर भारत से सदैव से छत्तीस का आकड़ा रहा है। अब भा.ज.पा. वहाँ मुख्य विपक्ष के तौर पर है तो तमिलनाडु सरकार को भा.ज.पा. का प्रतिकार करने का स्वर्णिम अवसर मिल गया है। भाषा इसमें बड़ा मुद्दा है। वहाँ की जनता को यह कहकर आसानी से गुमराह किया जा सकता है कि भा.ज.पा. जबरन हम पर हिन्दी थोप रही है, जब अंग्रेज इसे लागू नही कर सके तो ये कैसे करेंगें। वस्तुतः 2024 के चुनाव के लोकसभा चुनाव में भा.ज.पा. का मतदान प्रतिशत तमिलनाडु बढा है जो लगभग 18 प्रतिशत हो गया है। स्टालिन को हो सकता है कि यह डर सता रहा हो कि अगले चुनाव में एन.डी.ए कहीं उनसे सत्ता न छीन ले। कदाचित यही कारण है कि वे तमिल जनता की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं। इसी वजह से डी.एम.के. प्रमुख कभी हिन्दी को लेकर तो कभी भारतीय मुद्रा के चिह्न को लेकर केंद्र सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोले हुए हैं। परिसीमन को लेकर भी डी.एम.के.मुखर है। नई लोकसभा के उद्घाटन के बाद से ही अनवरत यह मुद्दा उठता रहा है कि नए परिसीमन के बाद दक्षिण की सीटें कम ना हो जाएं क्योंकि परिसीमन का आधार आबादी है और 1971 के बाद दक्षिण ने तो अपनी जनसंख्या को जहां नियंत्रित रखा है वहीं उत्तर भारत की जनसंख्या में इजाफा हुआ है। इस नजरिए से दक्षिण की तुलना में उत्तर को अधिक सीटें मिलेगी। हालांकि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार ने अपनी सफाई दी है कि फिलहाल परिसीमन कराने का कोई इरादा नही है। भले ही केंद्र ने स्पष्टीकरण दिया हों लेकिन डी.एम.के. द्वारा उठाए जा रहे इस मुद्दे में दम है। स्टालिन ने वित्तीय आधार पर भी केंद्र का प्रतिकार किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद तमिलनाडु को राजस्व में भारी नुकसान हुआ है। उसे उसके योगदान के बदले केवल 29 पैसे प्रति रुपये मिलते हैं, जो अन्यायपूर्ण है जबकि भारत में तमिलनाडु सकल घरेलू उत्पाद में दूसरे स्थान का राज्य है । उन्होंने डॉ. अंबेडकर का हवाला देते हुए केंद्र और राज्य के बीच समन्वयपूर्ण कार्य की आवश्यकता पर बल दिया। स्टालिन ने मेडिकल प्रवेश हेतु एनईईटी परीक्षा को राज्य की शिक्षा नीति के विरुद्ध बताया है। उनकी यह धारणा है कि यह परीक्षा ग्रामीण तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के हितों के विरुद्ध है और कोचिंग संस्थानों को बढ़ावा देती है। अतः तमिलनाडु के छात्रों को मेडिकल में प्रवेश उनके ही राज्य में 12 वीं के अंक के आधार पर मिले। वे अब यह भी लड़ाई लड़ रहे हैं कि शिक्षा को पुनः राज्य सूची का विषय बना दिया जाए। ऐसा प्रतीत होता है कि स्टालिन केंद्र से अन्तिम लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं और सौभाग्य से यह अवसर उन्हे विगत 8 अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तमिलनाडु के राज्यपाल के विरुद्ध दिए गए फैसले से मिल गया है। हो सकता है इससे स्टालिन का मनोबल बढ़ा हो और कदाचित इसी कारण उन्होंने इस विशेष कमेटी का गठन किया है। इस प्रकार उक्त टकराव के पीछे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने जो भी तर्क दिए हैं उनमें से अधिकांश तर्क राजनीति से प्रेरित प्रतीत होते हैं। परिसीमन और राज्यपाल के द्वारा अनुच्छेद 200 के दुरुपयोग को छोड़ दिया जाय तो उनके किसी भी तर्क में दम नही दिखता है। जहां तक राज्यपाल का प्रश्न है तो यह एक ऐसा संवैधानिक पद है जिसको लेकर 1950 के दशक के आखिरी वर्षों से लेकर अब तक केंद्र और राज्य के बीच विवाद बना हुआ है। अब इस मूल विषय पर आते हैं कि क्या स्टालिन तमिलनाडु को भारतीय संघ से अगल कर पाएंगे, जवाब है नही क्योंकि केंद्र के पास रक्षा, संचार और विदेशी संबंध का असीमित अधिकार है और इसके होते हुए तमिलनाडु कुछ नही कर सकता।

कुछ अलग

थाने की छत पर पेड़

पुलिस थाने का पेड़ बिना बताए ढह गया। पुलिस ने यूं तो कई पेड़, कई भवन और लोग ढहते देखे, लेकिन यह मंजर भयानक था। आधा पेड़ थाने की छत पर और आधा बाहर सडक़ से गुजर रही बस की छत पर था। कार्रवाई के लिए चश्मदीद गवाह ढूंढे गए। स्वयं थानेदार सतर्क थे, आखिर उनकी छत का मामला था। जनता पहली बार पुलिस को पेड़ से लड़ता देखकर खुश थी, लेकिन चश्मदीद गवाह बनने को तैयार नहीं थी। खैर थानेदार का अनुभव काम आया, लिहाजा उन्होंने थाने को गुलजार कर रहे सिपाहियों को तुरंत पेड़ गिरने का चश्मदीद गवाह बना दिया। बस और बस के ऊपर गिरे हुए पेड़ के एकमात्र गवाह यही कांस्टेबल थे। बस की छत पर चढने को कहा तो आधे असमर्थ हो गए। अंततः घोषणा हुई, 'बढ़े हुए पेट वाले सुरक्षा कारणों से बस के ऊपर न चढ़ें। महिला कांस्टेबलों को भी रोका गया, लेकिन इस तमाशे में ट्रैफिक जाम हो गया। यूं तो पुलिस अपनी यूनिफार्म में किसी को भी नीचे उतार सकती है, लेकिन यहां अपनी छत से पेड़ नीचे उतारने में महकमे की ट्रेनिंग विफल हो रही थी। एक बार तो थानेदार ने सोचा कि लॉकअप में रखे कुछ भरोसेमंद अभियुक्तों से ये काम ले लें। भरोसा इसलिए था क्योंकि कई चेहरे पुलिस की जान-पहचान के ही थे, बल्कि जरूरत पडने पर ये लोग इशारे पर कुछ भी कर सकते थे और करते रहे हैं। फिर ख्याल आया, बड़े साहब कहीं बुरा न मना लें। याद आया, 'आज तो साहब की कोठी पर ताजा सब्जी और खूब पके हुए फल भी रवाना नहीं हुए। सडक़ को ट्रैफिक जाम ने रोक लिया तो कल्लू मियां को रेहड़ी भी कहां लगवाते। आधा काम तो कल्लू मियां भी कर देता है। वह रोजाना मुफ्त में सब्जी नहीं, कई बार रेहड़ी में थाने की हिस्सेदारी में आया माल भी छिपा लेता है, यहां तक कि वक्त आने पर चिट्टे की खेप को किलो से घटाकर मिलीग्राम बना देता है।' थानेदार साहब बाहर निकले और जनता से अमन और अपने बचाव की अपील की।

देश दुनीया से

रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन की नई अहमियत

इस समय भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित नए द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के तहत भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले कृषि उत्पादों के निर्यात के मद्देनजर टैरिफ कटौती के लिए सहमति के संकेत उभरकर दिखाई दे रहे हैं। भारत ने अमेरिका को बादाम, अखरोट, क्रैनबेरी, पिस्ता और दाल जैसे कृषि उत्पादों पर शुल्क में कटौती पर सहमति के संकेत दिए हैं। ऐसे में भारत के खाद्यान्न और खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात के मौके अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में बढ़ते हुए दिखाई दे सकेंगे और भारत इससे लाभान्वित होगा। गौरतलब है कि जिस तरह पांच साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के हथियार बन गए थे, उसी प्रकार इस समय अमेरिका के टैरिफ की मार के साथ-साथ शुल्क व गैर शुल्क बाधाओं को कम करने से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि को कम करने के मद्देनजर देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद एक मजबूत हथियार दिखाई दे रहे हैं। चूंकि इस वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर खाद्यान्न उत्पादन में कमी के आकलन प्रस्तुत हुए हैं, ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में होने वाली 3 से 3.5 फीसदी हानि की बहुत कुछ भरपाई खाद्यान्न और कृषि प्रसंस्करण के निर्यात से भी की जा सकेगी। निश्चित रूप से देश में बढ़ता खाद्यान्न उत्पादन और मजबूत होती ग्रामीण आर्थिकी देश की आर्थिक शक्ति बन गई है। प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक इस समय भारत दुनिया की नई खाद्य टोकरी और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रतिबद्ध देश के रूप में रेखांकित हो रहा है। हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा

में कहा कि इस समय देश में खाद्यान्न के भंडार भरे हुए हैं और खाद्यान्न उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। यदि हम वर्ष 2024-25 के लिए जारी मुख्य कृषि फसलों (खरीफ एवं रबी) के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान की ओर देखें तो पाते हैं कि चावल, गेहूं, मक्का, मूंगफली एवं सोयाबीन के साथ-साथ तुअर और चना के भी रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद जताई गई है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि देश में कुल रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन 33 करोड़ टन से भी अधिक होने का अनुमान है। इसी तरह फल और सब्जी उत्पादन में भी तेज वृद्धि होगी। इतना ही नहीं वर्ष 2024-25 की सकल घरेलू उत्पाद में (जीडीपी) में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के योगदान में 4.6 फीसदी वृद्धि हो सकती है। पिछले वर्ष यह वृद्धि दर 2.7 फीसदी थी। इस तरह जहां देश में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न अधिशेष की ऊंचाइयां देश के लिए लाभप्रद बन गई हैं, वहीं भारत का खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोससिंग) सेक्टर भी ट्रंप के टैरिफ से जंग में भारत की आर्थिक ताकत दिखाई दे रहा है। यह एक ऐसा उभरता उद्योग है जिसमें पिछले 10 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ है। देश के कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13.7 से बढक़र करीब 24 प्रतिशत हो गई है। इस परिप्रेक्ष्य में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की खाद्य प्रसंस्करण पर प्रकाशित शोध अध्ययन रिपोर्ट उल्लेखनीय है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खाद्य प्रसंस्करण का क्षेत्र वर्ष 2023 में 307 अरब डॉलर का था, यह तेजी से बढक़र वित्त वर्ष 2030 तक 700 अरब डॉलर, वर्ष 2035 तक 1100 अरब डॉलर, वर्ष 2040 तक 1500 अरब डॉलर और वर्ष 2047 तक 2150 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है। पीएचडीसीसीआई ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि भारत से कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर से निर्यात में तेज वृद्धि हो रही है। वर्ष 2013-14 में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का जो निर्यात 39 अरब डॉलर था, वह बढक़र वर्ष 2022-23 में 52 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से निर्यात लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक 125 अरब डॉलर, वर्ष 2035 तक 250 अरब डॉलर, वर्ष 2040 तक 450 अरब डॉलर और वर्ष 2047 तक 700 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच जाएगा। निःसंदेह ट्रंप की टैरिफ चुनौती का मुकाबला करने की डगर पर भारत के लिए कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन महत्वपूर्ण बन गया है। कृषि के बुनियादी ढांचे और निवेश पर पिछले एक दशक में रणनीतिपूर्वक ध्यान दिए जाने के अच्छे परिणाम मिले हैं। सूचना प्रौद्योगिक तक पहुंच में वृद्धि ने ग्रामीण-शहरी दूरियों में कमी ला दी है। भारतीय किसान तेजी से डिजिटल पेमेंट, फसल बीमा और बैंकों से औपचारिक ऋण की सुविधाओं की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं।

भारत की विरासत

हैदराबाद

चारमीनार

यह हैदराबाद शहर के हृदय में समृद्ध सांस्कृतिक जीवंतता को प्रदर्शित करने वाली प्रसिद्ध वास्तुकला है। 1951 में सुल्तान मुहम्मद कुली कुतुब शाह द्वारा निर्मित। यह क्षेत्र में घातक प्लेग के अंत का जश्न मनाने का प्रतीक है। इस स्मारक में जटिल सजावटी विवरणों के साथ अलग-अलग दिशाओं का सामना करने वाले 4 भव्य मेहराब हैं। पूरे डिज़ाइन में फ़ारसी और भारतीय शैलियों का मिश्रण देखा जा सकता है। चारमीनार के ऊपर एक छोटी मस्जिद प्रार्थना के लिए एक शांत स्थान प्रदान करती है। पूरा क्षेत्र समृद्ध विविधता और ऐतिहासिक महत्व प्रदान करता है, जिसमें रात में चमकती रोशनी हैदराबाद के पुराने शहर में आकर्षण जोड़ती है।

दृष्टि कोण

व्यवस्थाओं के दामन पर नशाखोरी के दाग

'उसी का शहर वही मुद्दई वही मुंसिफ हमें यकीं था हमारा कसूर निकलेगा। उस आस्तीन से अश्कों को पोंछने वाले उस आस्तीन से खंजर जरूर निकलेगा'। मारूफ शायर 'अमीर कजलबास' को शायद अंदाजा नहीं था कि उनकी नज्म के ये अल्फाज मुस्तकबिल में नशाखोरी की तिजारत में मुल्लविस सुरक्षा एजेंसियों तथा खियानत में डूबे मुल्क के निजाम की दास्तान को पूरी शिद्दत से बयान करेंगे। नशाखोरी, रिश्वतखोरी व कई घोटालों के बदनुमां दाग हमारी व्यवस्थाओं के दामन पर लग चुके हैं। नशे की अवैध तिजारत से हालात इस कदर बद्तर हो चुके हैं कि नशाखोरी के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली सामाजिक संस्थाएं सुरक्षा एजेंसियों को ड्रग्स तस्करों की खबर देने में दुविधा में हैं। कहीं खुद की शिनाख्त उजागर न हो जाए, इसलिए सभ्य समाज के लोग नशे के खिलाफ जंग का हिस्सा बनने से डर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मुखबिर बनकर नशे की मुखबिरी में कहीं खुद शरीक-ए-जुर्म साबित न हो जाए, इसलिए नशे जैसी बुराई को मिटाने का हलफ उठा चुके इंकलाबी युवा खौफजदा हैं। यानी खुदगर्ज की बस्ती में एहसान गुनाह साबित हो सकता है। चूंकि सामाजिक सुरक्षा का दायित्व निभाने वाली निगाहबान निगाहें भी कातिल नशे की तलबगार बन चुकी हैं। उच्च पदों पर विराजमान कई सरकारी अधिकारी भी चिट्टे जैसे नशे के शौकीन हैं। देश के संवेदनशील इदारों की सुरक्षा की जिम्मेवारी निभाने वाले कर्मचारी 'हनी ट्रैप' जैसे फ्रॉड में पकड़े जा रहे हैं। ताजिरात-ए-हिंद के पैरोकार भ्रष्टाचार में अपनी भागीदारी दर्ज करवा चुके हैं। प्रश्न यह है कि जब अदालत में मुलजिम खुद मुंसिफ व खुद ही मुद्दई होगा तो उसके एब-ओ-हुनर की तफ्तीश कौन करेगा? सुरक्षा एजेंसियों में तैनात अहलकार जब खुद नशाखोरी की अवैध तिजारत में गिरफ्तार हो रहे हैं, ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम करने वाली जांच एजेंसियों के मुलाजिम भी नशे के काले कारोबार में हाथ आजमा रहे हैं, तो उनके गिरेबान में हाथ कौन डालेगा? मगर हमारे जम्हूरी निजाम में धरातल पर ये सब कुछ हकीकत में हो रहा है। धन

कुबेर बनने की जहालत भरी ख्वाहिश ने तमाम व्यवस्थाओं को रुसवा कर दिया है। नशे का गोरखधंधा अवैध तरीके से अकूत धन कमाने का बड़ा कारोबार बन चुका है, नतीजतन अमीर बनने की हसरत में सरकारी मुलाजिम भी जानलेवा नशे के ताजिर बन रहे हैं। हिमाचल के हमसाया सूबे पंजाब को वहां की हुकूमत नशामुक्त बनाने में जुटी है। पंजाब में नशाखोरी के खिलाफ 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान में नशा तस्करों के खिलाफ बुल्डोजर एक्शन भी हो रहा है। लेकिन इसके बावजूद सूबे में नशे का जहरीला कारोबार शबाब पर है। 'उड़ता पंजाब' में वर्दी की आड़ में नशा तस्करी के कई सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में महिला पुलिसकर्मी को ड्रग्स के साथ हिरासत में लिया गया है। नशा मजहब का हो, सियासी कद का हो, सरकारी पद का हो, मादक पदार्थों का हो या धन-दौलत का हो, कई रिश्तों को बेआबरू करने की कूवत रखने वाला नशा अपनी औकात जरूर दिखाता है। शायद इसीलिए कहा जाता है कि सदाकत, अखलाक, ईमानदारी व वफादारी बड़े महंगे शौक हैं। इन्हें हर कोई नहीं पाल सकता। उच्च अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों की नशा तस्करों से रफाकत पशेमानी का विषय है। नशाखोरी जैसी मशकूक गतिविधियों में सुरक्षा एजेंसियों के अहलकारों की संलिप्तता से नशे के खिलाफ चल रही मुहिम पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। नशाखोरी से लोगों की जिंदगी को जहन्नुम बनाकर नशे के सरगना करोड़ों रुपए की अवैध सल्तनत खड़ी कर चुके हैं। नशे की ओवरडोज से हो रही दर्दनाक मौतें तस्दीक करती हैं कि बेआब नशेड़ी नशे की हिरासत में ही मरहूम हो रहे हैं। कुछ पलों के लिए सुकून का एहसास कराने वाला नशा युवा वेग को जिंदगी भर के लिए मफलूज कर रहा है। जिन नामुराद लबों को हेरोइन व सिंथेटिक ड्रग्स की लज्जत लग जाए, उनका नशे के बिना रहना लगभग नामुमकिन है। नशे की इल्लत ने नशेड़ी वर्ग को जुर्म की चौखट पर पहुंचा कर गुनाहगार की कतार में खड़ा कर दिया है। नशे की तलब में कत्ल जैसी खौफनाक वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। नशे की फुरकत में भी संगीन जुर्म हो रहे हैं।

मस्जिद हटाकर बनाया जाए निषादराज का किला हम किसी धर्म के विरोधी नहीं: डॉ. संजय निषाद

निषाद समाज को मुगलों व अंग्रेजों ने लूटा, कांग्रेस एवं सपा ने आरक्षण के नाम पर किया गुमराह

प्रयागराज (हिंस)। श्रृंगवेरपुर में मर्यादा पुरुषोत्तम राम के बाल सखा निषाद राज गुहा के किले पर बनी मस्जिद को लोकतांत्रिक तरीके से हटाया जाय। उत्तर प्रदेश सरकार से मेरी मांग है कि जिस तरह अयोध्या में मस्जिद हटाकर भगवान श्रीराम का मंदिर का निर्माण हुआ है। ठीक उसी तरह निषाद राज किले का भी निर्माण कराया जाय। यह एक ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल है। मस्जिद तो कहीं दूसरे स्थान पर भी बनायी जा सकती है। हम किसी धर्म के विरोधी नहीं है। यह बात सोमवार को मीडिया से वार्ता करते हुए संवैधानिक अधिकार रथ यात्रा के चौथे चरण में तीसरे दिन प्रयागराज पहुंचे निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उप्र सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कही। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में योगी सरकार ने आजादी के बाद से 37 वर्ष से अधिक समय तक उपेक्षित रहे इस ऐतिहासिक एवं धार्मिक और पौराणिक स्थल पर तेत्रा युग के दृश्य को दर्शाते हुए विश्व में मित्रता एवं समरसता का एकमात्र उदाहरण निषाद राज गुहा एवं भगवान श्रीराम की 53 ऊंची प्रतिमा के साथ एक सुंदर पार्क बनवाया। जो कई वर्षों से राज दफन रहे पौराणिक स्थल श्रृंगवेरपुर धाम को अंग्रेजों एवं मुगलों ने जमकर लूटा। इतना ही नहीं 1877 में एक कानून बनाकर अंग्रेजों एवं मुगलों ने कई बार लूटा। लगभग 2000 वर्ष पूर्व यह निषादराज के हाथ में थी। श्री रामचंद्र भगवान ने उन्हें गले लगाया, बदले में निषाद राज सेना ने रावण राज्य खत्म किया था। श्री रामचन्द्र जी की कैबिनेट में निषादराज आए तब रामराज्य आया था। लेकिन विदेशियों ने हमारे सीधापन और ईमानदारी की फायदा उठाकर धोखे से हमारे राजाओं की हत्या कर हमें गुलाम बना लिया। मुगलों ने तलवार के बल पर 750 वर्ष निषाद समाज के लोगों के गर्दन उतारते रहे। इसके बाद अंग्रेजों ने 350 वर्ष तक लूटा। आजादी के बाद कांग्रेस ने भी वहीं काम किया। सपा के मुखिया मुलायम सिंह यादव ने ओबीसी के नाम पर निषाद समाज को धोखा देकर आरक्षण खाकर हमारे समाज को बड़ा चोट दे दिया। लेकिन प्रदेश में योगी सरकार आते ही अब सरकार नदियों के किनारे रहने वाले मछुआरों, धीकर, निषाद, बिंद, केवट समेत सभी उपजातियों को न्याय दिलाने का काम कर रही है। योगी सरकार शिक्षा से वंचित रहने वाले समाज के गरीब बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए अलग से मत्स्य विभाग के माध्यम से सहयोग कर रही है। योग्य एवं बीपीएल कार्ड धारक मछुआरा समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को पचास हजार से अधिक आर्थिक सहायता दे रही है। योगी सरकार आरक्षण देने के लिए भी लगातार प्रयास कर रही है। हम प्रदेश के 200 सीटों पर संवैधानिक अधिकार रथयात्रा अभियान के तहत निषाद समाज के सभी उपवर्गीय जातियों को एकजुट करने के लिए निकले हुए है। चौथे चरण के तीसरे दिन प्रयागराज मण्डल का दौरा किया हूं। जहां समाज के बीच में जाकर योगी सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर रहा हूं और योगी सरकार को जिताने के लिए तैयारी कर रहा हूं। इससे पूर्व लोकसभा चुनाव में नकारात्मक एवं झूठ बोलकर समाज को गुमराह किया गया। लेकिन अब समाज का जुड़ाव तेजी से भारतीय जनता पार्टी एवं निषाद पार्टी की ओर बढ़ रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका फायदा भी मिलेगा।

राजस्थान में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की एंट्री

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में एक नई राजनीतिक पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने प्रवेश कर लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं प्रदेश प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने मरू प्रदेश की मांग को लेकर केंद्र सरकार तक संघर्ष की घोषणा की है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि जिस प्रकार मध्य प्रदेश को विभाजित कर छत्तीसगढ़, बिहार से झारखंड और उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड का गठन किया गया, उसी तर्ज पर राजस्थान का भी विभाजन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के समुचित विकास के लिए राज्य को दो भागों में बांटकर मरू प्रदेश की स्थापना की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि बाड़मेर, सिरोही, चूरू, जालौर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जैसे जिलों को मरू प्रदेश में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि वहां के लोगों को उनका वाजिब हक मिल सके। यह क्षेत्र खनिज संपदाओं से समृद्ध है, लेकिन इसके बावजूद सरकारों ने यहां के विकास की उपेक्षा की है। सुभाष चंद्र यादव ने स्पष्ट किया कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी आने वाले समय में मरू प्रदेश की मांग को लेकर जयपुर से लेकर दिल्ली तक आंदोलन करेगी। इसके साथ ही प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को जनता के बीच ले जाकर पार्टी की नीतियों और पिछड़ों और दलितों के मसीहा ओमप्रकाश राजभर के विचारों को राजस्थान के कोने-कोने तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी धर्म और जाति की राजनीति से परे रहकर केवल समाज के वास्तविक मुद्दों और विकास की राजनीति करती है। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश राठौर, प्रदेश सचिव राजू सिंह राठौड़, दीपक सिंह, धर्मेंद्र चौधरी, अंकित सिंह, अजय सोनी सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसंख्या नियंत्रण पर कानून नहीं बना तो तीन बच्चे हिंदू सच्चे अभियान चलाएंगे : तोगड़िया

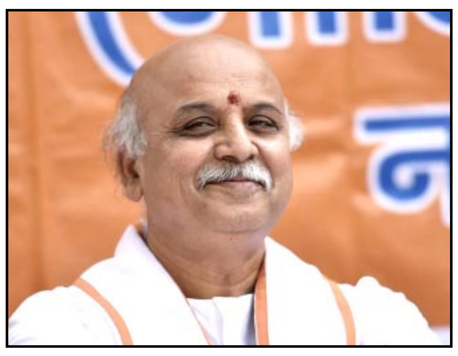

जोधपुर (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने जनसंख्या नियंत्रण के सवाल पर कहा कि हम इसपर कानून बनवाएंगे जो सभी के लिए होगा। सरकार अगर कानून बनाने में विफल रहती है तो तीन बच्चे हिंदू सच्चे का अभियान हम शुरू कर चुके है जिसको और तेजी से चलाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल का शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के माउंट आबू में आयोजित शिविर के समापन समारोह में शामिल होने के लिए अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया जोधपुर पहुंचे थे। तोगडिया जोधपुर से सिरोही के लिए रवाना होने से पूर्व मीडिया से बातचीत करते हुए प्रवीण तोगडिया ने कुंभ के समय अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल, राष्ट्रीय महिला परिषद और ओजस द्वारा चारों संगठनों ने मिलकर हजारों कार्यकर्ताओं ने 14 जगहों पर भंडारे के जरिए 24 घंटे डेढ़ महीने तक सवा करोड़ लोगो को खिलाने की योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने रहने के लिए 5 लाख लोगों के लिए व्यवस्था की थी जो सेवा का अब तक का सबसे बड़ा काम था। उन्होने कहा कि हर गांव और शहर की गलियों में मंगलवार और शनिवार को हनुमान चालीसा कराना शुरू किया है जिसमें 30 हजार चालीसा हो गई है। एक वर्ष में हमारा 1 लाख चालीसा करने की योजना है। गरीबों की सहायता के लिए मुफ्त में अनाज, डॉक्टर, एडवोकेट और स्वस्थ रहने के लिए स्वास्थ्य ट्रेनिंग से लेकर बच्चों की पढाई के लिए काम करने की बात भी कही।

आईटीआई के रोजगार मेले में 74 छात्रों को मिली रोजगार की सौगात

फतेहाबाद (हिंस)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोडिया खेड़ा में सोमवार को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने बताया कि रोजगार मेले में हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड नीमराना कम्पनी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और आईटीआई पास छात्रों का साक्षात्कार लिया। इस रोजगार मेले में कुल 115 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 74 छात्रों को विभिन्न पदों पर चयनित किया गया। चयनित छात्रों को रोजगार प्राप्ति की खुशी में संस्थान के प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने उन्हें शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेलों का आयोजन छात्रों के लिए बहुत लाभकारी है।

वक्फ सुधार अधिनियम से गरीब मुस्लिम वर्ग का होगा कल्याण : विश्नोई

जोधपुर (हिंस)। भारतीय जनता दक्षिण देहात जोधपुर द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क पावटा में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान कार्यशाला का आयोजन जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संभाग प्रभारी बिहारीलाल विश्नोई थे। मुख्य वक्ता बिहारीलाल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प के लक्ष्य को तय करने में वक्फ सुधार अधिनियम बहुत बड़ी भूमिका अदा करेगा और इससे मुस्लिम गरीब वर्ग का कल्याण होगा। साथ ही वक्फ बोर्ड में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और पारदर्शिता आएगी। कार्यशाला को राष्ट्रीय किसान मोर्चा मंत्री शैलाराम सारण, संगठन जिला प्रभारी श्रवण बंजारा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सिकंदर बख्स, पशुपालन प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक जगदीश देवासी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अयुब पठान, दक्षिण देहात महामंत्री डॉ, सोहन चौधरी, संयोजक दयाराम सैल सहसंयोजक मानाराम गर्ग ने भी संबोधित किया।

आकाश इंस्टीट्यूट के छात्रों की जेईई मेन 2025 में ऐतिहासिक सफलता

जयपुर (हिंस)। आकाश इंस्टीट्यूट ने जेईई मेन 2025 के परिणामों में अपने छात्रों की ऐतिहासिक उपलब्धियों की घोषणा की है। इस वर्ष संस्थान के विद्यार्थियों ने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रैंक प्राप्त की, बल्कि राजस्थान और विशेष रूप से जयपुर से भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। आकाश इंस्टीट्यूट के क्षेत्रीय निदेशक अखिलेश दीक्षित ने कहा कि हमें जेईई मेन 2025 में हमारे छात्रों की शानदार उपलब्धियों पर अत्यंत गर्व है। यह सफलता हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों की लगन और संस्थान की *स्टूडेंट फर्स्ट* नीति का परिणाम है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक छात्र को व्यक्तिगत मार्गदर्शन और श्रेष्ठ शिक्षण वातावरण प्रदान किया जाए। उन्होंने बताया कि हिंदी माध्यम और राज्य बोर्ड के छात्रों को विशेष सहयोग देने के उद्देश्य से एक अलग बैच शुरू किया जा रहा है, जिसमें नियमित बैच की तुलना में कम शुल्क रखा गया है। इससे हिंदी माध्यम के छात्रों को अतिरिक्त आर्थिक सहायता मिल सकेगी। अखिलेश दीक्षित ने यह भी जानकारी दी कि 12वीं कक्षा के बाद मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए एक विशेष 2-वर्षीय *क्राउन कोर्स* शुरू किया गया है। इस कोर्स में छात्र दो वर्षों की पढ़ाई एक वर्ष की फीस में कर सकेंगे। इसका उद्देश्य है छात्रों को तनावमुक्त तैयारी का अवसर देना, उनके मूलभूत विषयों को मजबूत करना, मानसिक असुरक्षा को दूर करना और सफलता की संभावनाओं को बढ़ाना।

किसान सभा ने कृषि नीतियों के विरोध में अमेरिका के उप राष्ट्रपति का पुतला फूंका

हिसार (हिंस)। अखिल भारतीय किसान सभा की जिला इकाई ने सरकार की किसान विरोधी कृषि नीतियों का विरोध करते हुए लघु सचिवालय पर जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार के नेतृत्व में अमेरिका के उप राष्ट्रपति का पुतला फूंका। कार्यक्रम का संचालन संचालन तहसील सचिव रमेश मिरकां ने किया। जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार ने सोमवार को बताया कि अमेरिका का उप राष्ट्रपति कृषि सम्बंधी बिलों पर अमेरिका के हित में समझौता करने भारत आया है, इसके विरोध में किसान सभा ने आज प्रदर्शन किया तथा पुतला जलाया। उन्होंने कहा कि देश में जो नीतियां आयात-निर्यात करने की उप राष्ट्रपति लेकर आया है, उससे ये कृषि प्रधान देश बर्बाद हो जाएगा क्योंकि अमेरिका कृषि संबंधित उत्पाद देश को देगा, उस पर शून्य प्रतिशत या नाम मात्र आयात शुल्क लगेगा और हमारे उत्पादों पर 150 से 200 प्रतिशत भारी भरकम निर्यात शुल्क लगेगा।

श्रद्धालुओं की कार डिवाइडर से टकराकर ट्रक से भिड़ी, 4 की मौत, 3 घायल

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। चित्तौड़गढ़ जिले में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना निंबाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ फोरलेन पर उस समय हुई, जब एक स्कॉर्पियो कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर गई और सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। कार में सवार सभी लोग मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के निवासी थे और चित्तौड़गढ़ स्थित सांवलियाजी मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार गूंज उठी। पुलिस के अनुसार यह हादसा चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा थाना क्षेत्र में जलिया चेक पोस्ट के आगे हुआ। स्कॉर्पियो में सवार श्रद्धालु मध्यप्रदेश की सीमा पार कर राजस्थान में प्रवेश कर चुके थे और तभी वाहन असंतुलित होकर डिवाइडर पार करता हुआ विपरीत दिशा में जा पहुंचा, जहां वह एक ट्रक से जा भिड़ा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की गश्ती टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निंबाहेड़ा जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद चार यात्रियों को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। हादसे की जानकारी मिलते ही निंबाहेड़ा पुलिस उप अधीक्षक बद्रीलाल राव अस्पताल पहुंचे और उन्होंने घटना की जानकारी लेने के साथ-साथ घायलों के स्वास्थ्य की भी जानकारी ली। पुलिस उप अधीक्षक बद्रीलाल राव ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल किया गया। औपचारिकताओं के बाद शवों का पोस्टमार्टम करवाकर उन्हें परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मृतकों की पहचान उज्जैन जिले के बड़नगर क्षेत्र के संजय उर्फ संजू (42), गौरव (32), अनिल (18) और वाहन चालक राजेश उर्फ राजा चौधरी के रुप में हुई है। वहीं तीन अन्य श्रद्धालु-दीपक (39) पुत्र रमेश देपाल, योगेश (20) पुत्र निलेश और सुनील (28) पुत्र प्रह्लाद-गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल एम्बुलेंस के माध्यम से निंबाहेड़ा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। स्कॉर्पियो में सवार सभी युवक आपस में मित्र थे और दर्शन के उद्देश्य से एक साथ यात्रा कर रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों और घायलों के परिजन भी रात में ही निंबाहेड़ा पहुंच गए। पुलिस ने दुर्घटनास्थल से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है।

फुले दम्पति ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया : राम रतन

जौनपुर (हिंस)। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सेंसर बोर्ड ने इस बायोपिक पर रोक लगा दी है। इस फैसले के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी का कहना है कि यह रोक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। साथ ही यह महान समाज सुधारकों की विचारधारा को दबाने का प्रयास है। फुले दम्पति ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया। उन्होंने शिक्षा, नारी सशक्तिकरण और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए काम किया। आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रपति से तीन मांगें की हैं। पहली, फिल्म पर लगी रोक तुरंत हटाई जाए। दूसरी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और इतिहास के सही चित्रण को सुनिश्चित किया जाए। तीसरी, सरकार महापुरुषों के विचारों को जनता तक पहुंचाने में सकारात्मक भूमिका निभाए। इस विरोध में पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजेश चौधरी, महासचिव कौशलेन्द्र प्रताप राय, उपाध्यक्ष डॉ. राम बरन प्रजापति समेत कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ जारी किया पोस्टर

वाराणसी (हिंस)। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोमवार को यहां भाजपा सरकार के खिलाफ आयोजित पत्रकार वार्ता में बड़ा हमला बोला। उन्होंने पोस्टर जारी कर केंद्र सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध, जजों को धमकाने और सरकारी मशीनरी, ईडी के जमकर दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नेशनल हेराल्ड मामले में देश का ध्यान भटकाने के लिए तथ्यों को तोड़ मरोड़ रही है। देश के सामने मौजूद महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही हैं। सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए स्वतंत्रता संग्राम के तथ्यों को तोड़ा मरोड़ा जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि हाल में ही गुजरात में कांग्रेस के अधिवेशन से बौखलाई भाजपा सरकार ने फिर कांग्रेस पर प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) को अपनी पसंदीदा कार्य में लगा दिया हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की ओर से दायर कथित आरोप पत्र कुछ और नही वरन विशुद्ध राजनीतिक षड्यंत्र है। उन्होंने दावा किया कि गांधी परिवार का हर सदस्य चाहे वह राजनीति में हो या नही भाजपा उसे निशाना बना रही है। बिडंबना है कि पहली बार मनी लांड्रिंग के ऐसे आरोप इन मामलों में लगाए जा रहे है,जिसमें एक भी पैसा या संपति हंस्तातंरित नही की गई। बैलेंस सीट को कर्जमुक्त बनाने के लिए कर्ज की इक्विटी में बदला जाता है। यह एक आम प्रथा हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार पर मनगढ़न्त मामलों में साजिश रची जा रही है। इसमें सरकारी मशीनरी का भी जमकर दुरूपयोग हो रहा है। अलका लांबा ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े तथ्यों को भी रखा। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड ने अंग्रेजों से युद्ध में हिस्सा लिया, यह देश की धरोहर है। अंग्रेजों को इस अखबार से इतना खतरा महसूस हुआ कि उन्होंने 1942 में भारत छोड़ों आंदोलन के दौरान इस पर प्रतिबंध लगा दिया। नेशनल हेराल्ड सिर्फ एक अखबार नहीं, बल्कि आजादी की लड़ाई का प्रतीक है। 1942 में *भारत छोड़ो आंदोलन* के दौरान अंग्रेजों ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया था। भाजपा सरकार इस ऐतिहासिक संस्था को बदनाम करने की साजिश कर रही है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा सरकार में दम हो तो साबित करके दिखाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता इसके खिलाफ पूरे देश में सड़कों पर निकलेंगे। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी से भाजपा सरकार डरी हुई है। पहले राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कर दी। उनका अलॉट बंगला छीन लिया और सुरक्षा छीन ली। बाद में कोर्ट ने सब वापस किया। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने चुनाव में भाजपा को बहुमत से रोका है। इसी से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है। एक सवाल के जबाब में अलका ने कहा कि देश में कांग्रेस की सरकार आने के 10 महीने में ये सब लोग जेल में जाएंगे। वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय,महिला प्रदेश अध्यक्ष,वाराणसी जिला और महानगर के अध्यक्ष भी मौजूद रहे।

बिहार प्रशासनिक सेवा के 10 अधिकारियों को मिली नयी जिम्मेदारी

पटना (हिंस)। बिहार प्रशासनिक सेवा के 10 अधिकारियों को राज्य सरकार ने नई जिम्मेदारी दी है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आज अधिसूचना जारी कर दी गई है। औरंगाबाद के उप विकास आयुक्त को हटाकर नए अधिकारी की पोस्टिंग की गई है। पूर्णिया के लेखा प्रशासन निदेशक नीरज नारायण पांडेय को पथ निर्माण विभाग में उप सचिव बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी आनंद प्रकाश को वरीय उप समाहर्ता गया, सारण के जिला भू अर्जन पदाधिकारी सुमन कुमार को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में उप सचिव बनाया गया है। शिवहर के वरीय उपसमाहर्ता अनिल कुमार को स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है। शाहपुर पटोरी के भूमि सुधार उप समाहर्ता प्रियंका कुमारी को स्थानिक आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली में विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है। गया के वरीय उप समाहर्ता मनीष कुमार को स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य विभाग पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है। वाणिज्य कर विभाग में संयुक्त सचिव कृष्ण कुमार को स्थानांतरित कर अगले आदेश तक पथ निर्माण विभाग का संयुक्त सचिव बनाया गया है।

एक राष्ट्र एक चुनाव देश के लिए अति आवश्यक : भूपेंद्र सिंह

कानपुर (हिंस)। देश में हर साल चुनाव होने के कारण जनप्रतिनिधि, शासन, प्रशासन सब चुनाव में व्यस्त रहते हैं। देश में संघीय ढांचा होने कारण सरकार की सभी मशीनरी चुनावों में व्यस्त रहती है। बार-बार चुनावों से देश के साधन, शक्ति, सब चुनावों में लग जाती है। इसे देखते हुए एक राष्ट्र एक चुनाव देश के लिए अति आवश्यक है। यह बातें सोमवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कही। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने संबोधन के दौरान कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव होने का सबसे बड़ा फायदा होगा कि बार-बार होने वाले चुनावों में श्रम और पैसों को देश के विकास में खर्च किये जायें। तो इससे हमारे देश की जीडीपी तो बढ़ेगी। साथ ही रोजगार और व्यापार को नए आयाम मिलेंगे। इसलिए जनता को समझना होगा कि यह विषय कितना महत्वपूर्ण है और देश को इसकी बेहद आवश्यकता है। हालांकि अपने फायदे के लिए विपक्ष में बैठे कुछ लोग इसका विरोध भी कर रहे हैं लेकिन देश की जनता समझदार है।

फिल्म मेकर अनुराग कश्यप के बयान पर बढ़ा विवाद

ब्राह्मण सभा के रमन झा ने हद में रहने की दी सलाह

अररिया (हिंस)। फिल्म मेकर अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर दिए बयान से विवाद बढ़ गया। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी। वहीं ब्राह्मण समाज के रमण झा ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि हाल ही मे रिलीज होने वाली फिल्म फुले पर सरकार से रोक लगाने की ब्राह्मण सभा ने मांग की हैं। उन्होंने कहा की अनुराग कश्यप फिल्म के जरिए ब्राह्मणों को अपमानित करने का काम किया है। जिसको लेकर फिल्म फुले का बहिष्कार किया जाएगा। रमण झा ने आगे कहा की अनुराग कश्यप को अपनी हद में रहनी चाहिए, उन्हें किसी जाति व्यवस्था पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। ब्राह्मण जीवन भर लोगो को ज्ञान सिखाने में दया भाव सिखाने में और शिक्षा देने मे लगे है। उन्होंने अनुराग कश्यप से अपना बयान वापस लेने और ब्राह्मण समाज से माफी मांगने को कहा।

गाड़ी पर दो से अधिक चालान तो भरना होगा ज्यादा प्रीमियम, 20 फीसदी तक हो सकती है बढ़त

नई दिल्ली

नया वित्त वर्ष शुरू हो गया है। लोग सोच रहे हैं कि क्या इस बार उन्हें अधिक मोटर बीमा प्रीमियम का भुगतान करना होगा, यदि उनके पास पिछले वित्त वर्ष के दो से अधिक लंबित, भुगतान न किए गए चालान हैं। हालांकि, वर्तमान प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हुआ है और यह मसौदा चरण में है। पॉलिसी जारी होने के बाद चालान की स्थिति को ट्रैक करना व्यावहारिक और प्रणालीगत चुनौतियों का सामना करना होगा है। ऐसे में सड़क परिवहन मंत्रालय, राज्य यातायात विभाग और बीमा कंपनियों के बीच एक सुरक्षित और निरंतर डाटा को साझा करने वाले तंत्र की जरूरत है। हालांकि, इसे लागू करना आसान नहीं होगा, क्योंकि इसके लिए डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम के तहत कई गोपनीयता और अनुपालन चिंताओं को सुलझाना होगा। 20 फीसदी तक बढ़ सकता है प्रीमियम प्रस्तावित नियम में ऐसा मॉडल है, जहां एक वित्त वर्ष में दो लंबित चालान पर बीमा प्रीमियम में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़त हो सकती है। बीमा कंपनियां पॉइंट आधारित प्रणाली अपना सकती हैं, जो प्रीमियम दर निर्धारित करती है। प्रीमियम का मूल्य निर्धारण मुख्य रूप से टेलीमैटिक्स आधारित मूल्य निर्धारण तंत्र के जरिये किया जाएगा।

अगर बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी का प्रस्ताव कई लंबित चालानों के कारण होता है, तो प्रीमियम की गणना गलतियों को ठीक करने के बाद समायोजित की जाएगी, लेकिन इसे संभालने का तरीका अभी भी स्पष्ट नहीं है। इसमें गलत शुल्कों का सबूत देना या बीमा प्रीमियम को अंतिम रूप दिए जाने से पहले रिकॉर्ड को सही करने के लिए अधिकारियों को अपील प्रस्तुत करना शामिल हो सकता है। राज्यस्तरीय डाटा बेस जुटाना प्रमुख समस्या प्राथमिक बाधा राज्यस्तरीय डाटाबेस को एकीकृत करना है।

भारत के डाटा संरक्षण अधिनियम के कारण यह और भी चुनौतीपूर्ण बन जाता है। बीमा कंपनियों के लिए इसे लागू करने में सरकारी ई-चालान प्रणालियों तक प्रत्यक्ष और वास्तविक समय में पहुंच चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

ई-कॉमर्स के खिलाफ उतरेंगे खुदरा व्यापारी, दुकानदारी-रोजगार को गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली । घर बैठे मोबाइल पर आवश्यक वस्तुओं की खरीद किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रह गया है। खाने-पीने, पहनने और मनोरंजन की वस्तुओं से लेकर अब लगभग हर क्षेत्र की वस्तुएं-सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से लोगों को सहज उपलब्ध हैं। इससे लोगों को काफी सहूलियत भी हुई है। लेकिन इससे देश में 11 करोड़ से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले खुदरा बाजार की दुकानदारी नष्ट हो गई है। इसका परिणाम हुआ है कि देश के हर हिस्से में खुदरा दुकानें बंद हो रही हैं और मॉल और बड़ी दुकानों को किराए पर कोई लेने वाला नहीं मिल रहा है। अमेरिका के टैरिफ वॉर के बीच बाजार के विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन बाजार भारत जैसी अर्थव्यवस्था वाले देशों के खिलाफ एक सुनियोजित षड्यंत्र है। भारत को अपनी 140 करोड़ की आबादी के लिए रोजगार की व्यवस्था करनी सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन ऑनलाइन बाजार लोगों के रोजगार छीन रहा है। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत लोगों को कर्ज देकर उन्हें अपना रोजगार विकसित करने के लिए कर्ज दे रहे हैं, लेकिन ऑन लाइन बाजार ऐसे लोगों से उनका उपभोक्ता छीन रहा है। यही कारण है कि अर्थव्यवस्था के जानकार केंद्र सरकार से ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनियों के खिलाफ एक सुनियोजित नीतिगत हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

ई कॉमर्स कंपनियों पर आरोप खुदरा व्यापार संगठनों का आरोप है कि ई कॉमर्स कंपनियां एक साजिश हैं। खुदरा व्यापारी को कोई वस्तु जिस मूल्य पर मिलती है, ऑनलाइन कंपनियां एक व्यापारिक रणनीति (साजिश) के अंतर्गत उसी वस्तु को उससे कम कीमत पर खुदरा ग्राहकों को उपलब्ध कराती हैं। इससे ग्राहक ऑनलाइन कंपनियों की ओर चला जाता है। लेकिन जब इस कीमत युद्ध में खुदरा व्यापारियों के पैर उखड़ जाते हैं, और वह दुकानदारी से भाग जाता है, यही कंपनियां उसी वस्तु की भारी कीमत उपभोक्ताओं से वसूलती हैं। यानी यह व्यापार नीति न तो ग्राहकों के लिए ठीक है, न ही दुकानदारों के लिए। व्यापारियों की मांग है कि सरकार इसमें नीतिगत हस्तक्षेप करे। 22 अप्रैल को बैठक कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के नेतृत्व में देश के व्यापारी-खुदरा दुकानदार और रोजगार से जुड़े लोग एकत्र होकर अपनी यह मांग केंद्र सरकार तक पहुंचाएंगे। उनका कहना है कि केंद्र सरकार को इस साजिश को समझते हुए उचित हस्तक्षेप कर ऑन लाइन बाजार से नष्ट हो रहे व्यापार-रोजगार को बचाने की पहल करनी चाहिए।

दुनिया में हर सेकेंड 1.63 करोड़ की साइबर ठगी

नई दिल्ली(ईएमएस)। इंटरनेट और तकनीक जीवन आसान बना रही हैं, लेकिन साइबर ठगों ने इसे

खौफनाक जगह बना दिया है। 2024 में दुनिया में 498 लाख करोड़ से ज्यादा की साइबर ठगी हुई। यानी कि हर सेकेंड 1.63 करोड़ की चपट लगी। भारत में 2023 में 9.2 लाख से ज्यादा शिकायतें आईं, जिनमें 6 हजार करोड़ की चपत लगी। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार साइबर ठगी 6 साल में 42 गुना बढ़ गई। यह तकनीकी ही नहीं, बल्कि आर्थिक व कानूनी चुनौती भी बन गया है। भारत में 6 साल में 42 गुना बढ़ी, इस साल 1.2 लाख करोड़ की ठगी की आशंका ठगी की रकम की लॉन्ड्रिंग के लिए मनी म्यूल, क्रिप्टोकरेंसी व हवाला नेटवर्क इस्तेमाल हो रहे हैं। सरकारें साइबर सुरक्षा पर अरबों रुपए खर्च कर रही हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने 2025 में भारतीयों से 1.2 लाख करोड़ से ज्यादा की ठगी की आशंका जताई है। यह बिहार के बजट के 50 प्रतिशत के बराबर है। साइबर अपराध अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरा हैं। 2024 में दुनिया में साइबर क्राइम से 498 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

चीनी राजदूत- अगर अमेरिका जारी रखता है व्यापार युद्ध, तो चीन भी जवाबी कार्रवाई के तैयार

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ युद्ध को लेकर बीजिंग ने वाशिंगटन से बीच का रास्ता

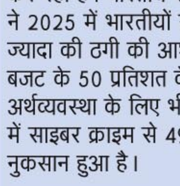

निकालने का आग्रह किया है। अमेरिका में चीन के राजदूत शी फेंग ने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था को टैरिफ युद्ध तबाह कर देगा। अमेरिका से व्यापार युद्ध समाप्त करने का आग्रह करते हुए उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन टैरिफ युद्ध जारी रखना चाहता है, तो बीजिंग लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। अमेरिका में चीनी राजदूत ने वाशिंगटन से बीजिंग के साथ साझा आधार तलाशने और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से भारतीय बाजारों के लिए मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। गुड फ्राइडे की छुट्टी के पहले अमेरिकी बाजार दबाव में कारोबार करते हुए नजर आए थे। छुट्टियां खत्म होने के बाद डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजारों में छुट्टियों के पहले के सत्र में नरमी बनी रही। डाउ जॉन्स 500 अंक से अधिक की गिरावट का शिकार हो गया था। इसी तरह नैस्डेक ने भी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,286.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। हालांकि एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 5,282.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 285.36 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,856.87 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हॉन्ग कोंग स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 114 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,919 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,760.83 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,286.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,144.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 6,420.48 अंक के स्तर तक गिर गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 268.26 अंक यानी 1.38 प्रतिशत फिसल कर 19,126.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 437.31 अंक यानी 1.26 प्रतिशत टूट कर 34,292.97 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। चीन में ऑनर कंपनी 23 अप्रैल को अपने नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो को लॉन्च करने जा रहा है। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन द्वारा वीबो पर की गई एक पोस्ट में इस स्मार्टफोन के बारे में जानकारी दी गई है। पोस्ट में बताया गया कि इस फोन ने अंतूतू बेंचमार्क पर 3,444,323 पॉइंट्स हासिल किए हैं, जो किसी भी डिवाइस द्वारा अब तक का सबसे बड़ा स्कोर हो सकता है। हालांकि टिपस्टर ने फोन का नाम स्पष्ट नहीं किया, लेकिन पोस्ट में दिख रहे स्टेटस बार के एलिमेंट्स से यह अंदाजा लगाया गया है कि यह हॉनर जीटी प्रो ही हो सकता है। इसके साथ ही इस स्मार्टफोन की प्री-ऑर्डर लिस्टिंग भी चीन में शुरू हो चुकी है, जो चार वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा - 12जीबी प्लस 256जीबी, 12जीबी प्लस 512जीबी, 16जीबी प्लस512जीबी और 16जीबी प्लस 1टीबी। फोन में 144एचझेड रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले होगा, जो यूजर्स को स्मूथ और फास्ट विजुअल एक्सपीरियंस देगा। इसके साथ ही इसमें अल्ट्रासोनिक इन-स्क्रीन फिंगरप्रिंट स्कैनर जैसे सिक्योरिटी फीचर्स होंगे। प्रोसेसर के तौर पर इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट होगा, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। स्मार्टफोन में एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.1 स्टोरेज का सपोर्ट मिलेगा, जिससे डाटा ट्रांसफर और मल्टीटास्किंग बहुत तेज होगी। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल ट्रिपल कैमरा होगा, जिसमें एलईडी फ्लैश और एक टेलिफोटो लेंस भी शामिल होगा। बैटरी के मामले में यह फोन 6000एमएएच या उससे बड़ी बैटरी के साथ आएगा, जो 90वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

एक बार निवेश कर हर साल बना सकते हैं 100000 से ज्यादा, पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में सालाना 7.4प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली

अगर आप कपल हैं और नियमित कमाई के लिए अच्छी योजना की तलाश में हैं, तो पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम के बारे में विचार कर सकते हैं। सालाना 7.4 फीसदी की आकर्षक ब्याज दर वाली इस योजना में एक बार निवेश कर नियमित आय का लाभ उठा सकते हैं। कपल इस योजना में ज्वाइंट अकाउंट खुलवाकर हर साल 1.11 लाख और सिंगल अकाउंट के जरिये 66,660 रुपये की कमाई कर सकते हैं। इसमें अकाउंट खोलने के लिए कम-से-कम 1000 रुपये का निवेश जरूरी है। इसके बाद 1,000 रुपये के गुणक में जमा कर सकते हैं। ज्वाइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख और सिंगल अकाउंट में 9 लाख रुपये जमा कर सकते हैं।

ऐसे समझें सालाना कमाईका गणित

ज्वाइंट अकाउंट के तहत अगर आप इस योजना में अधिकतम 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो सालाना 7.4फीसदी की दर से हर महीने आपको 9,250 रुपये का ब्याज मिलेगा।इस तरह, आप सालाना 1.10 लाख रुपये की कमाईकर सकते हैं।

सिंगल अकाउंट के मामले में आप योजना में अधिकतम 9 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।इस पर सालाना 7.4फीसदी की दर से हर महीने आपको 5,550 रुपये का ब्याज मिलेगा।इस तरह, आप हर साल 66,660 रुपये की कमाईब्याज के रूप में कर सकते हैं।

सुरक्षा की 100 फीसदी गारंटी

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में आपके पैसों की सुरक्षा की 100 फीसदी गारंटी होती है, क्योंकि यह सरकार समर्थित है। इस लघु बचत योजना में गारंटीड रिटर्न मिलता है। खास बात है कि ज्वाइंट अकाउंट में हर खाताधारक का निवेश में बराबर हिस्सा होता है। इस योजना की मैच्योरिटी अवधि पांच साल है, लेकिन इसके बाद भी नई ब्याज दर के हिसाब से इसे आगे बढ़ा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम के तहत अकाउंट एक डाकघर से दूसरे डाकघर में निशुल्क स्थानांतरित किया जा सकता है। हर डाकघर जमा के लिए निवेशक कईअकाउंट खोल सकते हैं। इसमें कोईटीडीएस नहीं लगता है, लेकिन अर्जित ब्याज करयोग्य है।

टेस्ला के नए फेसलिफ्टेड मॉडल वाय मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर टेस्ट

हाल ही में, टेस्ला के नए फेसलिफ्टेड मॉडल वाय को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर टेस्ट करते हुए देखा गया। इस टेस्ट म्यूल में टेस्ला की नई डिजाइन और तकनीकी विशेषताओं का स्पष्ट संकेत मिलता है, जो भारतीय बाजार के लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है। टेस्ला मॉडल वाय अब पुराने मॉडल की तुलना में और अधिक आकर्षक और विशिष्ट डिजाइन के साथ पेश किया जाएगा। इसमें साइबर्टक-प्रेरित डीआरएलएस, नया बोनट, फ्रंट बम्पर और टेललाइट डिज़ाइन जैसी विशेषताएँ हैं। इसके साथ ही 19-इंच और 20-इंच के नए अलॉय व्हील्स भी जोड़े गए हैं, जो कार के लुक को और भी बेहतर बनाते हैं। टेस्ला ने कार के इंटीरियर्स में न्यूनतम डिज़ाइन रखा है, लेकिन कुछ नई सुविधाएँ जोड़ी गई हैं, जैसे नई सीट फैब्रिक्स और फ्रंट सीटों के लिए वेंटिलेशन। इसके अलावा, एक नया 8-इंच टचस्क्रीन जोड़ा गया है, जो एसी, संगीत, और गेम्स जैसे कार्यों को नियंत्रित करता है।

कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी बाजार की चाल

कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई

अमेरिका के स्मार्टफोन, कंप्यूटर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में टैरिफ पर छूट दिए जाने के साथ ही मैक्सिको, कनाडा और अन्य देशों से आने वाले वाहनों और उनके पुर्जों पर लगने वाले शुल्क में संशोधन पर विचार करने के संकेत एवं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख की वजह से बीते सप्ताह साढ़े चार प्रतिशत के उछाल पर घरले शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजे से तय होगी।

विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक बाजार के रुझान, बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह, सभी की निगाहें एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और मारुति जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर शुल्क के मोर्चे पर किसी घटनाक्रम और दुनिया पर उसका क्या प्रभाव रहता है, इस पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस के शेयर पर सभी की निगाह रहेगी। मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 11.7 प्रतिशत घटकर 7,033 करोड़ रुपये रहा है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह हमें भारतीय बाजार में तेजी जारी रहने की उम्मीद है, जो एफआईआई की खरीदारी में रुचि, घरेलू मुद्रास्फीति में कमी और मौसम विभाग के सामान्य से बेहतर मानसून की भविष्यवाणी जैसे सहायक कारकों से प्रेरित है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच दिवसीय दौरे पर अमेरिका पहुंचीं, विभिन्न कार्यक्रमों में लेंगी भाग

सैन फ्रांसिस्को

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 20 से 25 अप्रैल तक अमेरिका की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। वह सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं, जहां अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत श्रीकर रेड्डी कोप्पुला ने उनका स्वागत किया। वित्त मंत्री अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगी।

वित्त मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर वित्त मंत्री के सैन फ्रांसिस्को पहुंचने की जानकारी दी। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण का सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और वित्त सचिव अजय सेठ की उपस्थिति में सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत डॉ. श्रीकर रेड्डी कोप्पुला द्वारा स्वागत किया गया।

सैन फ्रांसिस्को में दो दिवसीय प्रवास

वित्त मंत्री सीतारमण सैन फ्रांसिस्को में 20 अप्रैल से दो दिवसीय प्रवास के दौरान स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में विकसित भारत 2047 की नींव रखने पर एक भाषण देंगी। इसके बाद फायरसाइड चैट सत्र यानी अनौपचारिक वार्तालाप होगा। यहां सीतारमण निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड प्रबंधन फर्मों के शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत करेंगी और शीर्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों के सीईओ के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगी। सैन फ्रांसिस्को के भारतीय प्रवासियों के एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगी।

आईएमएफ और विश्व बैंक की बैठकों में करेंगी शिरकत

वित्त मंत्री 22 से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी प्रवास पर रहेंगी। इस दौरान वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की स्प्रिंग मीटिंग में शिरकत करेंगी। इसके अलावा, वह जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की दूसरी बैठक, विकास समिति की बैठक, आईएमएफसी की बैठक और वैश्विक संप्रभु ऋण गोलमेज (जीएसडीआर) बैठक में भाग लेंगी। इस दौरान वह अर्जेंटीना, बहरीन, जर्मनी, फ्रांस, लक्जमबर्ग, सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम और यूएसए सहित कई देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी।

26 से 30 अप्रैल तक पेरू दौरे पर रहेंगी

वित्त मंत्री सीतारमण वाशिंगटन डीसी प्रवास के दौरान यूरोपी संघ के वित्तीय सेवाओं के आयुक्त, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष, एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के अध्यक्ष, वित्तीय स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष अधिवक्ता (यूएनएसजीएसए) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रथम उप प्रबंध निदेशक के साथ भी बैठकें करेंगी। इसके बाद वह 26 से 30 अप्रैल तक पेरू की अपनी पहली यात्रा पर जाएंगी।

होल्गर रून ने कार्लोस अल्कारेज को हराकर जीता बार्सिलोना ओपन का खिताब

बार्सिलोना

डेनमार्क के टेनिस स्टार होल्गर रून ने रविवार को बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्कराज को हराकर बार्सिलोना ओपन 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया।

रून ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7-6 (8/6), 6-2 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने करीब एक साल बाद कोई खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला खास इसलिए भी रहा क्योंकि अल्कराज अपने पिछले 23 क्ले कोर्ट मैचों में सिर्फ दूसरी बार हारे हैं। होल्गर रून ने जीत के बाद कहा, ये एक पागलपन भरा एहसास है। करीब एक साल बाद खिताब जीतना मेरे लिए बेहद खास है। कार्लोस जैसे खिलाड़ी और अच्छे दोस्त को फाइनल में हराकर ये पल मेरे लिए खास है। मैंने पूरे मैच में संयम बनाए रखा और रणनीति के साथ खेला। फाइनल मुकाबले की शुरुआत में कार्लोस अल्कराज ने पांचवें गेम में ब्रेक लेकर बढ़त बनाई थी, लेकिन रून ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया।

इसके बाद रून ने 10वें गेम में दो सेट पॉइंट बनाए, हालांकि अल्कराज ने उन्हें बचा लिया। पहला सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां रून ने मौके का फायदा उठाते हुए पहला सेट अपने नाम कर लिया। यह इस हफ्ते अल्कराज का पहला सेट था जो उन्होंने गंवाया।

दूसरे सेट में अल्कराज ने शुरुआत में दो ब्रेक प्वाइंट जरूर बनाए, मगर रून ने उन्हें बचाया। तीसरे गेम के बाद अल्कराज ने मेडिकल टाइमआउट लिया और फिर कोर्ट पर लौटे। हालांकि तब तक होल्गर रून ने मैच की पकड़ मजबूत कर ली थी। रून ने दो बार अल्कराज की सर्विस ब्रेक करते हुए दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम कर खिताब जीत लिया। अल्कराज, जो इससे पहले मोंटे कार्लो मास्टर्स जीत चुके हैं और फ्रेंच ओपन की तैयारी कर रहे हैं, वह बार्सिलोना में अपना तीसरा खिताब जीतने से चूक गए।

न्यूज़ ब्रीफ

जीत-हार में ज्यादा उत्साहित या मायूस न हों : केकेआर स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो

कोलकाता। टाटा आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को ईडन गार्डन्स मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहम मुकाबले के लिए उतरेगी। इससे पहले टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो ने कहा कि टूर्नामेंट के इस दौर में खिलाड़ियों को अपनी मानसिक स्थिति संतुलित रखना बेहद जरूरी है।

जीत या हार में ज्यादा उत्साह या निराशा न दिखाएं पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 रन की करीबी हार के बाद कार्ल क्रो ने कहा, यह आवश्यक है कि हम जीत या हार में अत्यधिक उत्साहित या निराश न हों। पिछले मुकाबले में हमने शानदार गेंदबाजी की थी और उन्हें केवल 112 रन पर रोक दिया था। हमारी पारी के आधे ओवर तक हम मैच में पूरी तरह हावी थे। ऐसे में हमें अपनी रणनीति में लगातार बने रहना और सकारात्मक मानसिकता के साथ खेलना चाहिए। स्पिन गेंदबाज निभाएंगे अहम भूमिका ईडन गार्डन्स की पिच को लेकर कार्ल क्रो ने कहा, स्पिन गेंदबाजी यहां हमेशा से अहम भूमिका निभाती आई है और हमारे पास बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं। उनके औसत रन प्रति ओवर, विकेट लेने की दर और कुल विकेट यह दर्शाते हैं कि उन्होंने कितनी मेहनत की है। कप्तान ने भी उन्हें पूरे टूर्नामेंट में अलग-अलग मौकों पर शानदार तरीके से उपयोग किया है।

प्रसिद्ध शेरपा गाइड 31वीं बार करेंगे माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रयास, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेंगे

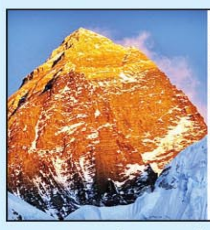

काठमांडू । सबसे महान पर्वतारोही गाइडों में से एक कामी रीता दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर 31वीं बार चढ़ने की कोशिश करेंगे। वह इस मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेंगे। 55 वर्षीय रीता रविवार को काठमांडू से माउंट एवरेस्ट के लिए रवाना हुए, ताकि पर्वतारोहियों के एक समूह का नेतृत्व किया जा सके। वह वसंत चढ़ाई के मौसम के दौरान 8,849 मीटर (29,032 फीट) की चोटी पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। एवरेस्ट पर पहली बार 1953 में न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी और नेपाली शेरपा तेनजिंग नोर्गे ने चढ़ाई की थी। काठमांडू के हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए कामी रीता ने कहा, मैं मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से पहाड़ पर चढ़ने के लिए तैयार हूं। मैं अभी अपनी सर्वश्रेष्ठ शारीरिक स्थिति में हूं उनके नाम 30 बार माउंट एवरेस्ट पर सबसे सफल चढ़ाई करने का रिकॉर्ड है। पिछले साल मई में उन्होंने दो बार चोटी पर चढ़ाई की थी। उन्होंने कहा, मेरी पहली प्राथमिकता अपने क्लाइंट को चोटी के शिखर पर पहुंचाना है। उसके बाद मैं तय करूंगा कि मैं सीजन के दौरान एक से ज्यादा बार चोटी पर चढ़ूंगा या नहीं। यह मौसम और पहाड़ की स्थितियों पर निर्भर करता है। माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा चढ़ाई करने के मामले में उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी साथी शेरपा गाइड पासंग दावा हैं, जिन्होंने पहाड़ पर 27 सफल चढ़ाई की है।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की शानदार साझेदारी ने चेन्नई को पलटवार का कोई मौका नहीं दिया। रोहित-सूर्यकुमार की तूफानी साझेदारी से मुंबई ने चेपॉक की हार का लिया बदला टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 176 रन बनाए। शिवम दुबे ने 32 गेंदों पर 50 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि रवींद्र जडेजा ने 35 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाकर पारी को संभाला। 17 वर्षीय युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी 15 गेंदों में 32 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट चटकाए, जबकि दीपक चाहर, अश्विनी कुमार और मिचेल सेंटनर को एक-एक सफलता मिली।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग

तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने दर्ज की शानदार जीत

गुरुग्राम (हरियाणा)

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में चल रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) के रविवार के मुकाबले रोमांच और एक्शन से भरपूर रहे। दिन के तीन मुकाबलों में तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने अपने-अपने विरोधियों को हराकर दमदार जीत दर्ज की।

पुरुष मुकाबलों ने बनाया हाई-वोल्टेज माहौल

महिलाओं के मुकाबलों के धमाकेदार आगाज़ के बाद रविवार को पुरुष टीमें मैदान में उतरीं। पुरुष मैचों में बड़ी संख्या में लड़कियों की मौजूदगी ने स्टेडियम का माहौल और भी शानदार बना दिया। दर्शकों के उत्साही समर्थन और जोरदार जयकारों ने मुकाबलों का रोमांच दोगुना कर दिया।

तेलुगु पैंथर्स ने तमिल लायंस को दी शिकस्त

दिन के पहले मुकाबले में तेलुगु पैंथर्स ने तमिल लायंस को 33-27 से हराया। पैंथर्स ने 16 रेड और 13 टैकल पॉइंट जुटाते हुए मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। तमिल लायंस की मजबूत रेडिंग (18 पॉइंट) के बावजूद ऑल-आउट पॉइंट की कमी उन्हें भारी पड़ी। तेलुगु पैंथर्स के ऑलराउंड प्रदर्शन ने उन्हें शानदार जीत दिलाई।

मराठी वल्चर्स ने पंजाबी टाइगर्स को पछाड़ा

दूसरे मुकाबले में मराठी वल्चर्स ने पंजाबी टाइगर्स को से हराया। वल्चर्स ने 30 रेड, 20 टैकल और 4 ऑल-आउट पॉइंट बटोरकर एकतरफा मुकाबला अपने नाम किया। पंजाबी टाइगर्स की रेडिंग मजबूत रही, लेकिन उनका डिफेंस मराठी की तगड़ी टैकलिंग के सामने टिक नहीं सका। मराठी वल्चर्स की ओर से तीन सुपर टैकल भी देखने को मिले।

भोजपुरी लेपर्ड्स की दमदार जीत

दिन के आखिरी मुकाबले में भोजपुरी लेपर्ड्स ने हरियाणवी शार्क्स को 39-30 से मात दी। भोजपुरी टीम ने 20 रेड, 13 टैकल और 4 ऑल-आउट पॉइंट के साथ मुकाबले पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। शार्क्स ने मुकाबले में कड़ा संघर्ष किया, मगर लेपर्ड्स की हरफनमौला रणनीति के आगे उनकी एक न चली।

सोमवार को महिलाओं के मुकाबलों की बारी

अब सोमवार को महिला वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। कार्यक्रम इस प्रकार है-

- शाम 6:00 बजे: हरियाणवी ईगल्स बनाम भोजपुरी लेपर्डेस
- शाम 7:00 बजे: मराठी फाल्कन्स बनाम तमिल शेरनी
- रात 8:00 बजे: तेलुगु चीता बनाम पंजाबी टाइग्रेस।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेल में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे, ज्यादातर पदक विजेता; इनमें छह पंजाब के

38th NATIONAL GAMES Uttarakhand 25 SILVER JUBILEE YEAR

नई दिल्ली

खेलों में डोपिंग का एक और दुर्भाग्यपूर्ण मामला सामने आया है। उत्तराखंड में हाल में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे हैं। डोप पॉजिटिव खिलाड़ियों में ज्यादातर पदक विजेता हैं। इनमें सर्वाधिक छह खिलाड़ी पंजाब से हैं।

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित शक्तिवर्धक दवाओं के सेवन के लिए 11 में से 8 खिलाड़ियों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। इनमें नामी बास्केटबाल खिलाड़ी पंजाब के अमृतपाल सिंह शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया व जापान की प्रतिष्ठित लीग में खेल चुके अमृतपाल दूसरी बार डोप में फंसे हैं।

अमृतपाल ने इन खेलों में पंजाब के लिए स्वर्ण पदक जीता था। अगर वह बेगुनाही साबित नहीं कर पाए, तो उन पर आठ वर्ष का प्रतिबंध लग सकता है। वह इससे पहले 2020 में डोप पॉजिटिव पाए गए थे। वूशु खिलाड़ी नीरज जोशी और राहुल तोमर के नमूनों में एक से अधिक दवाओं का मिश्रण पाया गया है। नाडा की ओर से लिए गए नमूनों की जांच जारी है। लिहाजा खिलाड़ियों की संख्या बढ़ने की आशंका है। 2023 में गोवा में हुए राष्ट्रीय खेलों में रिकॉर्ड 25 खिलाड़ी डोप में पकड़े गए थे। 2015 के केरल में हुए राष्ट्रीय खेलों में 16 खिलाड़ी डोप में पकड़े जाने पर हंगामा हुआ था। 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 10 खिलाड़ी डोप पॉजिटिव पाए गए थे।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण की दावेदार एलिश भी शामिल

बड़ा झटका तमिलनाडु की वेटलिफ्टर एलिश अरोकिया के रूप में लगा है। 87 किलो में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एलिश को अगले वर्ष ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा था। दो महिला एथलीटों समेत तीन खिलाड़ियों पर स्पेसीफाइड सब्सटेंस के कारण अस्थायी प्रतिबंध नहीं लगा है। दोनों ने इन खेलों में स्वर्ण जीते थे मॉडर्न पेंटाथलन की महिला खिलाड़ी पर भी अस्थायी प्रतिबंध नहीं लगा है।

जूनियर टेनिस टूर्नामेंट : म.प्र. के जय, दिव्यांश, जुल्फीकार मुख्य दौर में पहुंचे

मध्य प्रदेश टेनिस संघ द्वारा इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित क्वींस कॉलेज ऑल इण्डिया टेलेन्ट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल क्वालिफाइंग राउण्ड में मध्य प्रदेश के जय बागानी, दिव्यांश टोके व मोहम्मद जुल्फीकार ने अंडर-14 बालक वर्ग के मुख्य दौर के लिए जगह बना ली है। रविवार को खेले गए अंडर-14 बालक एकल क्वालिफाइंग राउण्ड के मुकाबलों में जय बागानी (म.प्र.) ने कपीश अग्रवाल (म.प्र.) को 6-0, 6-4 से शिकस्त दी। दिव्यांश टोके (म.प्र.) ने मितांत झामनानी (म.प्र.) को 6-1, 6-3 से तथा मोहम्मद जुल्फीकार (म.प्र.) ने सौरीष गुप्ता (म.प्र.) को 6-3, 6-4 से हराकर मुख्य दौर में जगह बनाई। अन्य मुकाबलों में विहान नवाब (म.प्र.) ने हेमांग बरना (राज.) को 6-2, 6-0 से, मोहम्मद आरिज खान (म.प्र.) ने शविम ठाकुर (म.प्र) को 6-0, 6-0 से, अदविक गरू (म.प्र.) ने अर्जुन धर्माधिकारी (म.प्र) को 7-5, 6-1 से, विहान अग्रवाल (म.प्र.) ने पार्थ खण्डेलवाल (म.प्र) को 6-1, 6-0 से तथा गौरांग गंगराडे (म.प्र.) ने रेयांश पटैल (राज.) को 6-1, 6-1 से परास्त किया।

आरसीबी से मिली हार के बाद पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा-अब हर मुक़ाबला हमारे लिए करो या मरो जैसा

चंडीगढ़

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में बेहतरीन लय में नजर आ रही पंजाब किंग्स की रफ्तार रविवार को नई चंडीगढ़ के महाराजा वाईपी सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में थम गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 7 विकेट से मात देकर टूर्नामेंट की बेहद अहम जीत अपने नाम की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 157 रन बनाए। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दी, लेकिन मध्य क्रम के बल्लेबाज़ बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की टीम ने विराट कोहली के नाबाद 73 रनों की शानदार पारी की बदौलत 7 गेंद शेष रहते यह मुक़ाबला अपने नाम कर लिया।

मुक़ाबले के बाद पंजाब किंग्स के मुख्य प्रशिक्षक रिकी पोंटिंग ने हार की वजह बल्लेबाज़ी को बताया।

उन्होंने कहा, हमने इस मैच में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। पिच 157 रन से कहीं बेहतर थी। हमारे कई बल्लेबाज़ों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका। यही टी20 क्रिकेट में अंतर पैदा करता है। पावरप्ले में हम 62 रन पर 1 विकेट थे, वहाँ से स्कोर 180 या 200 तक पहुँचाना चाहिए था, लेकिन हमने विकेट झुंड में गंवा दिए।

पोंटिंग ने कहा कि अब टीम के सामने हर मुक़ाबला करो या मरो जैसा होगा।

उन्होंने कहा, हम हाफवे मार्क तक पहुँच चुके हैं। अब हर मैच अहम है। हमें अगले मुक़ाबलों में जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ की दौड़ में अपनी स्थिति मज़बूत करनी होगी। कोलकाता के ख़िलाफ़ अगला मुक़ाबला बड़ा है। फिर धर्मशाला में होने वाले घरेलू मुकाबले भी हमारे लिए निर्णायक रहेंगे।,

पोंटिंग ने धर्मशाला में खेलने को लेकर भी उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा, धर्मशाला शानदार मैदान है। वहाँ की पिच अच्छी होती है, गेंद बल्ले पर तेज़ी से आती है और मैदान छोटा है। इस बार हमारे वहाँ तीन मुकाबले हैं। हमें कोशिश करनी होगी कि वह मैदान हमारे लिए भाग्यशाली साबित हो।

पंजाब किंग्स अब 26 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ ईडन गार्डन्स में भिड़ेगी, जबकि 4 मई को धर्मशाला में लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ घरेलू मुक़ाबला खेलेगी।

फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में किया कमाल, एथलेटिक क्लब पर जीत से रियल मैड्रिड ने जलाई खिताबी उम्मीदें

मैड्रिड

ला लिगा में खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए रियल मैड्रिड ने आखिरी पलों में शानदार जीत दर्ज की। रविवार देर रात खेले गए मुकाबले में फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में गोल दागकर एथलेटिक क्लब को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने टाइटल रेस में बार्सिलोना से फासला चार अंक पर कायम रखा।

बार्सिलोना से पिछड़ने की कगार पर था मैड्रिड

चैंपियंस लीग में आर्सेनल से हारने के बाद रियल मैड्रिड के लिए यह मुकाबला बेहद अहम था। लंबे समय तक गोल के लिए जूझने के बाद लग रहा था कि टीम एक और निराशाजनक नतीजा झेलेगी, लेकिन उरुग्वे के स्टार खिलाड़ी वॉल्वरडे ने स्टॉपेज टाइम में टॉप कॉर्नर में जबरदस्त गोल कर टीम को जीत दिला दी।

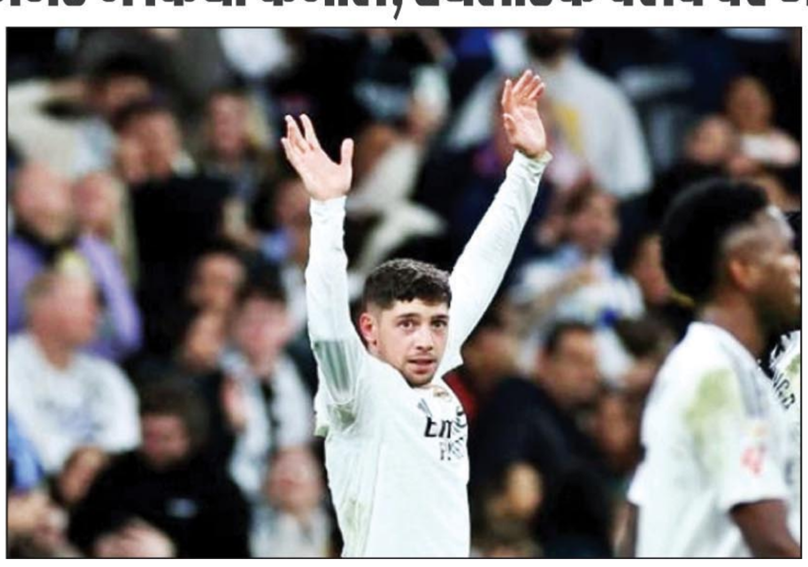

काइलियन एम्बाप्पे की गैरमौजूदगी और विनीसियस की चमक

एथलेटिक क्लब ने इस मुकाबले में अपने कई स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया था, जबकि रियल मैड्रिड काइलियन एम्बाप्पे के बिना उतरा। एम्बाप्पे निलंबन और टखने की चोट से जूझ रहे हैं। इस बीच, विनीसियस जूनियर ने शानदार खेल दिखाया और लेफ्ट फ्लैंक पर लगातार दौड़कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। हालांकि उन्होंने एक गोल किया, लेकिन एंड्रिक के ऑफसाइड होने से वह गोल मान्य नहीं हो सका।

बेलिंघम के मिस और गोलकीपर सिमोन की शानदार बचत

दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने आक्रामक तेवर दिखाए। रोड्रिगो और कैमाविंगा ने कोशिशें कीं, लेकिन एथलेटिक के गोलकीपर उनाई सिमोन ने शानदार बचाव किए। विनीसियस ने भी शानदार क्रॉस दिया, जिसे बेलिंघम ने हेड किया, सिमोन ने उसे भी बचा लिया। पलों में बेलिंघम ने पेनल्टी की अपील की, लेकिन रेफरी ने नकार दिया।

किंग वॉल्वरडे ने दिलाई जीत, अब नजर कोपा डेल रे फाइनल पर

जब मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी फेडे वॉल्वरडे ने बॉक्स के बाहर से एक शानदार स्ट्राइक लगाई, जो सिमोन के पास भी नहीं पहुंची। इस गोल से रियल मैड्रिड को जीत मिली और अब टीम कोपा डेल रे फाइनल में बार्सिलोना से भिड़ने के लिए तैयार है।

बकरी के बच्चे के साथ योगा

आपने कई ऐसे लोगों को देखा होगा जो कठिन से कठिन योगा बड़ी आसानी से कर लेते है। एक ऐसा ही वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में छाया हुआ है। स्वीडिश की राशेल ब्रेथेन का योगा वीडियो देखकर आप हैरान रह जाएंगे। राशेल ब्रेथेन अपनी बकरी पैनी लेन के साथ योगा करते इस वीडियो में नजर आ रही है। वह योगा के पोश्चर्स को अपने ऊपर इस बकरी के बच्चे साथ कर रही है। जिसमें दोनों ही जबर्दस्त बैलेंसिंग दिखा रहे हैं। राशेल को उनकी पति डेनिस ने पिछले क्रिसमस पर यह बकरी का बच्चा गिफ्ट किया था। और उसके बाद से दोनों साथ में ही योगा करते हैं। राशेल और उनके पति डेनिस दोनों ही एनिमल रेस्क्यू सेंटर भी संचालित करते हैं। इस वीडियो को अब तक फेसबुक पर 2 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

पायरिया क्यों होता है

मुंह में लगभग 700 किस्म के बैक्टीरिया होते हैं, जिनकी संख्या करोड़ों में होती है। यही बैक्टीरिया दांतों और मुंह को बीमारियों से बचाते हैं। अगर मुंह, दांत और जीभ की सफाई ठीक से न की जाए तो ये बैक्टीरिया दांतो और मसूड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं। पायरिया होने पर दांतों को सपोर्ट करने वाली जबड़े की हड्डियों को नुकसान होता है। पायरिया कैल्शियम की कमी और दांत-मुंह की सफाई में कोताही बरतने से होता है।

देर से सोने वाले ज्यादा होशियार और स्मार्ट

ये तो आपने जरूर सुना-पढ़ा होगा कि रात में देर से सोने पर शरीर और सेहत को बहुत नुकसान होता है लेकिन शायद ही आप जानते हों कि इसके कुछ फायदे भी हैं। अगर आप भी देर रात तक जागते हैं तो खुश हो जाइए, इसके कई फायदे हैं।

देर से सोने के फायदे

- रात में देर से सोने वाले लोग ज्यादा कलात्मक होते हैं। तब तक दिनभर की उधेड़बुन दिमाग से निकल चुकी होती हैं तो आपके दिमाग में अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं।
- देर तक रात में जागने वाले ज्यादातर स्मार्ट और चालाक होते हैं।
- शोध कहते हैं कि उनका आईक्यू लेवेल ज्यादा होता है।
- यही नहीं, वे ज्यादा जिज्ञासु, बहादुर और उत्साही होते हैं। यानी वे आधी रात कोई भी डरावनी फिल्म आराम से देख सकते हैं।
- ऐसे लोग एक वक्त पर कई काम फटाफट कर लेते हैं। जाहिर है जब देर से सोएंगे तो देर से उठेंगे, फिर काम या स्कुल जाने में लेट होगा। गजब स्पीड में काम करते हैं फिर तो!
- ये वो लोग होते हैं जिनकी सारी पढ़ाई या काम आखिरी रात में होता है फिर भी बखूबी कर लेते हैं। डेडलाइन तो जैसे इनके लिए बच्चों का खेल है।
- रात में जागने वालों की सेक्स लाइफ भी बेहतर होती है।
- इन्हें खुद के साथ अकेले वक्त बिताने का मौका मिलता है। जब आस पास सब सो जाएंगे, तो आप अकेले जो चाहें, जैसे चाहें कर सकते हैं।
- सबसे अच्छे प्लान आधी रात एक कप कॉफी के साथ ही बनते हैं, और पूरे भी होते हैं।
- इनकी तरह 2-3 बजे तक जगने वाले दोस्त ही तो इनका सहारा होते हैं। जिन्हें जब चाहो कॉल कर सकते हैं और अपना रोना रो सकते हैं या गप्पे मार सकते हैं।

सफेद रंग के खाद्य पदार्थ खाने के फायदे

सफेद रंग के भोज्य पदार्थ आपकी सेहत के लिए अच्छे होते हैं। क्या आपने इनमें से किसी को लिया है या जब भी ये आपकी प्लेट में रखे जाते हैं तो क्या आप इन्हें किनारे सरका देते हैं? आंकड़ों के अनुसार, लोगों की यह धारणा है कि केवल हरे भोज्य पदार्थ अच्छे होते हैं, जबकि अन्य रंगीन भोज्य पदार्थ खतरे वाले होते हैं। अपने आहार में शामिल कीजिए ये फूड हलाकि आज विज्ञान यह कहता है कि लोगों को भोजन के समय अपनी प्लेट में और रंगों को सम्मिलित करने की आवश्यकता है। जितने ज्यादा रंगीन भोज्य पदार्थ आपकी प्लेट में शामिल होंगे उतने ही प्रकार के पोषक पदार्थ और प्रोटीन आपके शरीर को प्राप्त होंगे। जब बात सफेद भोज्य पदार्थों की आती है तो हम सभी इन्हें ग्रहण करने में सशंकित रहते हैं। आप शायद जान गये होंगे कि हम स्वस्थ सफेद भोज्य पदार्थो की बात कर रहे हैं जिनमें अण्डे, गोभी जैसी सब्जियां तथा मुर्गे जैसे मांस शामिल हैं। स्वस्थ रहना है तो खाएं नीले रंग के आहार कैल्शियम, पोटैशियम, लौह जैसे पोषक पदार्थो युक्त इन सभी भोज्य पदार्थों के सेवन से आपके शरीर पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

मशरूम

हफ्ते में दो बार मशरूम खाने पर स्वास्थ्य के लिए हितकारी होता है। एक बार भोजन में मशरूम को लेने पर आपको काफी मात्रा में रेशे और कैल्शियम मिलता है। इसमें 44 कैलोरी भी होती हैं तो इसे अवश्य लें।

ओट्स

ओट्स की एक कटोरी के साथ अपने दिन की शुरूआत कीजिए। लेकिन ध्यान रहे कि आप चीनी की अपेक्षा शहद को चुनें। ताजे फलों को लेकर अपने भोजन को रंगीन बनाएं।

फूलगोभी

क्या आपको पता है कि फूलगोभी में स्वास्थ्यवर्धक ग्लूकोसिनेट तथा सल्फर युक्त रसायन होते हैं जो कैंसर से बचाते हैं। अतः इस सब्जी को अपने भोजन में शामिल करके कैंसर को दूर रखें।

शलजम

सब्जियां हमेशा विटामिन और खनिज से भरपूर होती हैं। जब शलजम से छिलका निकाल लिया जाता है तो सफेद गूदेदार भाग को खाया जाता है जिसमें विटामिन सी, रेशे और पोटैशियम होते है और यह प्रतिरक्षण तन्त्र के लिये लाभकारी होता है।

प्याज

प्याज को किसी भी व्यंजन में डाला जा सकता है। यह न केवल व्यंजन में स्वाद बढ़ाता है बल्कि यह आपको स्वस्थ भी रखता है। प्याज में कैलोरी कम होने के साथ-साथ यह चर्बी को गलाता भी है।

अण्डे

अण्डे की सफेदी में अण्डे की आधी से ज्यादा प्रोटीन के साथ-साथ विटामिन बी 12, कम मात्रा में वसा तथा जर्दी से कम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए अण्डे के सफेद भाग को अपने भोजन में शामिल करें।

लहसुन

लहसुन के लाभदायक गुण सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। अगर आप लहसुन युक्त भोजन ग्रहण करेंगे तो आप विश्व की सबसे भयावह बिमारी कैंसर को दूर रख सकेंगें। लहसुन में पेट, आँत तथा गुदा के कैंसर के खतरों को कम करने के गुण होते हैं।

टोफू

टोफू एक और स्वास्थ्यवर्धक सफेद भोज्य पदार्थ है जिसे आपको सप्ताह में एक बार अवश्य लेना चाहिए। टोफू कैल्शियम तथा विटामिन से भरपूर होता है जो कि आपको भरपूर ऊर्जा प्रदान करने में सहायक होता है।

गर्मियों में रामबाण है मठ्ठा

छाछ या फिर कहें मठ्ठा, गर्मियों के दिनों में अमृत के समान माना जाता है। दही से बनने वाला यह पेय काफी सारे पौष्टिक गुणों से भरा हुआ है। आयुर्वेद में तो यहां तक कहा गया है कि जो व्यक्ति भोजन के बाद एक गिलास मठ्ठा पीता है उसे पेट से जुड़े रोग नहीं होते। अगर आपको दही खाना पसंद नहीं है तो, मठ्ठा तो जरूर पसंद आएगा क्योंकि यह स्वाद में खट्टा होता है और इसमें अगर काला नमक, जीरा और हींग आदि मसाले मिला लिए जाएं तो यह और भी चटकीला हो जाता है। गर्मी के कारण अगर पेट खराब हो गया हो तो मठ्ठे में मिश्री, काली मिर्च और सेंधा नमक मिलाकर पीने से लाभ होता है। साथ ही इसको पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

शरीर को ठंडा करे

गर्मी की वजह से अगर तुरंत शरीर को ठंडक पहुंचानी है तो मठ्ठा पियें। यह उन महिलाओं को भी ठंडक पहुंचाता है जिन्हें मेनोपॉज के बाद गर्मी लगती है।

पाचन में मदद करे

खाने के साथ इसे लेने से पाचन अच्छा बना रहता है। साथ में यह आसानी से पच भी जाता है। इसमें यदि काली मिर्च या सेंधा नमक मिला दिया जाए तो बहुत अच्छा है।

मसालेदार भोजन के बाद पेट को पहुंचाए ठंडक

तीखा और मसालेदार भोजन खाने के बाद इसे जरुर पिएं क्योंकि इसमें प्रोटीन होता है जो मसालों की जलन को ठंडा कर देता है। इससे एसिडिटी भी ठीक होती है।

मोटापा घटाए

तेल और मसाले वाला भोजन खाने के बाद बटर मिल्क पीने से तेल आदि का असर पेट पर नहीं पड़ता। मोटापा घटाने के लिए रोजाना मट्ठे में सेंधा नमक मिला कर पिएं।

कैल्शियम से भरपूर

जो लोग दूध नहीं पीते उनके लिए इसमें ढेर सारा कैल्शियम भी मौजूद है, इसलिये रोजाना छाछ पीने की आदत डाल लें। ढेर सारे पौष्टिक तत्वों से भरा कैलशियम के अलावा छाछ में प्रोटीन, विटामिन बी और पोटैशियम की भी काफी मात्रा होती है। ये विटामिन और मिनरल्स आपके पूरे स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। साथ ही इसे पीने से शरीर का इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

खूबसूरती बढ़ाए

अगर बाल झड़ें तो हफ्ते में मट्ठे से दो दिन बालों को धुलें। यदि झुर्रियां हैं तो, आटे में मठ्ठा मिला कर चेहरे पर लेप लगाएं, इससे झुर्रियां कम होने लगेंगी।

पाइल्स दूर करे

ताजा बना मठ्ठा पाईल्स के रोगियों के लिए हितकारक है। कैंसर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर इसके नियमित सेवन से कैंसर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर ठीक हो जाता है। इसमें बायो एक्टिव प्रोटीन होता है जो कि कोलेस्ट्रॉल को कम कर के ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए जाना जाता है।

भावनाओं पर नियंत्रण और व्यवहार में आता है बदलाव

दिमाग पर सीधा असर करती है यह बीमारी!

इप 2 मधुमेह के कारण क्ति अच्छा जीवन ड़ीं जी पाता और अब धकर्ताओं ने पाया है ज यह मस्तिष्क की खास मताओं को भी घटा कता है। शोध के ताबिक, टाइप-2 धुमेह से मस्तिष्क की ार्यप्रणाली पर बुरा असर ड़ता है। इसमें भावनाओं र नियंत्रण, व्यवहार और चार आदि शामिल हैं।

गतिविधियों को मापा...

कनाडा में वॉटरलू विश्वविद्यालय से संबद्ध शोध के मुख्य लेखक कॉरी विन्सेंट के मुताबिक, मस्तिष्क के कामकाज का यह पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि जब भी हम अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति के विपरीत कोई काम करने का प्रयास करते हैं या हमें ऐसा करने के लिए बाध्य होना पड़ता है तो हम पूर्ण रूप से मस्तिष्क पर निर्भर होते हैं। इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने 70 शोधों की समीक्षा की है, जिसमें टाइप 2 मधुमेह के 9,815 मरीजों की तुलना मधुमेह के अन्य 69,254 मरीजों से की गई और उनके मस्तिष्क की प्रमुख गतिविधियों को मापा गया।

कर सकते हैं बचाव...

वॉटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और वरिष्ठ लेखक पीटर हॉल के मुताबिक, सामान्य रूप से टाइप-2 मधुमेह के मरीजों में दोहरी बाधाओं की वजह से मस्तिष्क गतिविधियों के नियंत्रण की अधिक जरूरत हो सकती है। संभावित रूप से ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि इस बीमारी का मस्तिष्क पर असर पड़ता है। विश्व में लगभग 60.0 करोड़ लोग टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित हैं और 2030 तक ऐसे लगभग 80.0 करोड़ मामले सामने आने की संभावना है। ऐसे में जरूरी है कि जिंदगी जीने के तौर-तरीके में बदलाव लाकर इस बीमारी से बचा जा सकता है।

विदेशों में पढ़ाई करना हो सकता है आसान

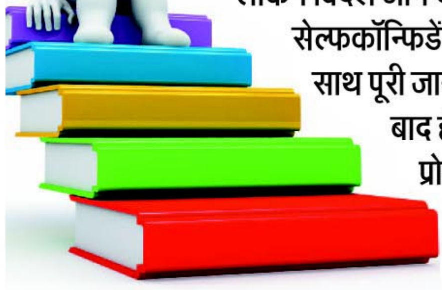

आजकल हर बच्चा अपना कॅरियर बनाने के लिए विदेश जाना जाता हैं और वहां पर पढ़ाई करने के साथ-साथ अपने रोजगार के साधन भी तलाशने लगता हैं। विदेश जाना कोई गलत बात नहीं, लेकिन विदेश जाने के लिए बच्चे में सेल्फकॉन्फिडेंस होना चाहिए और साथ-साथ पूरी जानकारी एकत्रित करने के बाद ही विदेश में पढ़ाई करने का प्रोग्राम बनाना चाहिए। इन बातों को ध्यान में रखकर ही विदेश में पढ़ाई करने जाएं।

इन बातों का रखें ध्यान...

- विदेश में जाने से पहले आप जिस यूनिवर्सिटी से स्टडी करना चाहते हैं पहले उसके सारे कोर्सेज की जानकारी एकत्रित कर लें, जिससे वहां पहुंचकर आपको किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।
- विदेश में जाने से पहले आप जहां ठहरने वाले हैं चाहे वो किराए का कमरा हो या हॉस्टल हो उस जगह की पूरी जानकारी एकत्रित करें। वरना आपको वहां पहुंचने के बाद समस्या हो सकती है।
- विदेश जानें से पहले आप अपनी पैकिंग सही ढंग से करें और बैंक अकाउंट खुलवाना न भूलें ऐसा करने से आपको करंसी की समस्या नहीं रहेगी और बैंक अकाउंट उसी बैंक में खुलवाएं जो विदेश पहुंचने पर सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाए। अन्यथा आपको ट्रांजेक्शन की समस्या से दो-चार होना पड़ सकता है।
- विदेश में पहुंचने के बाद आप अच्छे दोस्तों के साथ संपर्क में आएं और उनके साथ मेल-जोल बढ़ाएं।
- विदेश पहुंचने के बाद जाते ही नौकरी नहीं मिल जाती इसके लिए कुछ समय इंतजार करना पड़ता है और वहां पहुंचकर अच्छी कंपनियों की जानकारी एकत्रित करें जो पार्ट टाइम जॉब ऑफर करती हो ऐसा करने से आप इस जॉब से पॉकेट मनी तो निकाल ही सकते हैं, जिससे आप अपने खर्च पूरे कर सकें।
- विदेश पहुंचने के बाद अगर वहां पर कोई समस्या भी आ जाए तो आप अपना सेल्फकॉफिडेंट कभी न खोएं बल्कि उस समस्या को सुलझाने का प्रयास करें व ज्यादा परेशान न होकर उसका हल निकालने का प्रयास करें।

रेसिपी

भटूरा

सामग्री

2 कप मैदा, 1 1/2 टी-स्पून शक्कर, 2 टी-स्पून सूखा खमीर, 2 टेबल-स्पून दही, 1 टेबल-स्पून पिघला हुआ घी, नमक स्वादअनुसार, मैदा, बेलने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

शक्कर और सूखे खमीर को 3/4 कप गुनगुने पानी में मिलाकर खमीर के पिघलने तक मिला लें। ढ़क्कन से ढ़ककर 5 से 7 मिनट या मिश्रण में बुलबुले आने तक मिला लें। इस मिश्रण को मैदा, दही, घी और नमक के साथ एक साथ बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। कम से म 6 से 7 मिनट तक अच्छी तरह गूंथे। आटे को ढ़क्कन या गीले सूती कपड़े से ढ़ककर, फूलने के लिए लगभग 30 मिनट या आटे के हलके फूलने तक रखें। आटे को 8 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे मैदा का प्रयोग कर, 150 मिमी व्यास के गोल आकार में बेल लें। कढ़ाई में तेल गरम करें और एक-एक कर भटूरे के दोनो तरफ सूनहरा होने तक तल लें। तुरंत परोसें।

बोहरी खिचड़ी

सामग्री

ग्रेवी के लिए, 2 टेबल-स्पून घी, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, एक चुटकी गरम मसाला, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, 3/4 कप फेंटा हुआ ताजा दहीं, थोड़े पानी का प्रयोग कर पीसकर मुलायम पेस्ट बनाने के लिए, 1/2 कप कटे हुए प्याज, 4 लहसुन की कलियां, 2 हरी मिर्च, कटी हुई, 1 1/2 टी-स्पून भुना हुआ जीरा, 5 किलो सूखी कश्मीरी लाल मिर्च, तोड़ी हुई, अन्य सामग्री, 3 कप पके हुए चावल, 1 1/2 कप पकी हुई तुवर दाल, नमक स्वादअनुसार, 1 कप पतले स्लाईस्ड प्याज, 2 टी-स्पून तेल, 2 टी-स्पून घी, चुपड़ने के लिए, 2 टी-स्पून दुध, परोसने के लिए

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक में घी गरम करें, प्याज डालकर 2 से 3 मिनट या प्याज के पार्दर्शी होने तक भुनें। तैयार पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलायें और 1 से 2 मिनट तक भुनें। गरम मसाला, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलायें और लगातार हिलाते हुए 1 मिनट तक पकाएं। आंच से हठाकर, दही डालकर अच्छी तरह मिलाएं। एक तरफ रखें। चावल, तुवर दाल और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिलाएं। प्याज और तेल को एक माइक्रोवेव सुरक्षित बाउल में मिलाकर उच्च तापमान पर 4 से 5 मिनट या प्याज के करारे होने तक पका लें। एक माइक्रोवेव बेकिंग सुरक्षित बाउल को घी से अच्छी तरह से चुपड़ लें, तले हुए प्याज का आधा भाग डालें और चावल-दाल का 1/2 मिश्रण डालकर को चम्मच के पिछले भाग से अच्छी तरह फैला लें। तैयार ग्रेवी को उपर डालकर अच्छी तरह फैला लें। बचे हुए चावल-दाल के मिश्रण को डालकर अच्छी तरह फेला लें। दही के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**